www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 112 || लखनऊ
बुधवार
22 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक तमसा संकेत
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:24
सूर्यास्तः 07:01
अधिकतमः 33:00
न्यूनतमः 27:00

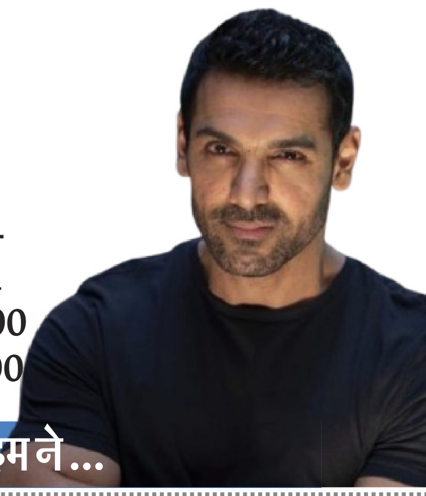

पेज 07
विशेष समाचार | कॉकरोच जनता पार्टी के संसद... >> पेज 04 | बर्थडे बॉय ने माता-पिता को पीट... >> पेज 06 | 84 करोड़ में जॉन अब्राहम ने ...

राहुल, प्रियंका, खड़गे और अखिलेश समेत कई नेता हिरासत में, आधे घंटे तक चला टकराव

पीएम आवास बना सियासी रणभूमि

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर सरकार ने समय बर्बाद किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मोबाइल जब्त कर लिए। दोनों एक तरह से जेपी नड्डा के घर नजरबंद थे। इसलिए अब वे सरकार से बात करने नहीं जाएंगे। सरकार को ही जंतर-मंतर पर आना होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बस में सबसे आगे बैठे।

> कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा,'हमने संसद में अन्याय, उत्पीड़न और बनाए जा रहे दबाव के मुद्दे को उठाने का समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया।'

बात करना है तो सरकार खुद आए : अभिजीत दीपके

CPI (M) सांसद जॉन ब्रिटास और सांसद वी शिवदासन भी जंतर-मंतर के पास चल रहे प्रदर्शन में पहुंचे।

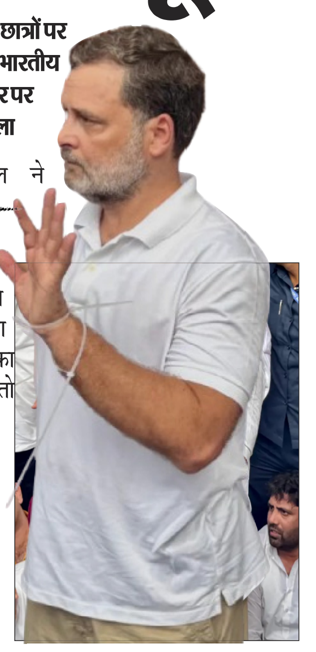

राहुल बोले- छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला

राहुल ने पोस्ट किया- प्रधानमंत्री मोदी को लगता है कि वो बिना जवाब दिए, बिना किसी नतीजे का सामना किए बच निकलेंगे - नहीं कर पाएंगे, इस बार तो बिल्कुल नहीं।

जितेंद्र सिंह और राहुल के बीच 20 मिनट बात

पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की। सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि NEET पर संसद में चर्चा हो। राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं। पहली- NEET पर संसद में चर्चा, दूसरी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा।

पीएम-गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार न तो घटना की जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा की अनुमति दे रही है. प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष सदन में इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहता है, लेकिन उसे बोलने नहीं दिया जा रहा. उन्होंने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का जिक्र करते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की.

पेपर लीक मुद्दे पर राहुल गांधी स्पीकर से मिले

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष ने NEET पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और इसके बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई थी।

सदन के बाहर आकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है, लोकतंत्र में ऐसा करना गलत है। वहीं, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और सैयद नासिर हुसैन ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत काम रोकने का नोटिस दिया है। उन्होंने NEET UG 2026 पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक में पीएम मोदी ने बताया कि पेपर लीक मामले में दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

बड़े अपडेट्स

- CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, 'हम संसद मार्च आज इसलिए नहीं निकाल रहे हैं, क्योंकि इस सरकार और पुलिस ने छात्रों का खून बहाया है। इन्हें छात्रों की कोई परवाह नहीं है, लेकिन हमें है।'
- सोनम वांगचुक 24वें दिन भी अनशन पर हैं। सोमवार को उन्होंने कहा था- पुलिस की बर्बरता देखने के बाद अपना अनशन जारी रखूंगा।
- मंगलवार सुबह 8 बजे तक 186 घायलों को RML इमरजेंसी में लाया गया। उनमें से 89 पुलिसकर्मी थे। 96 को प्लास्टर और टांके लगे। एक को छोड़कर बाकी सभी को छुट्टी दे दी गई।
- NDA संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि पेपर लीक मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी
- CJP ने ऐलान किया है कि अगर पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों को तुरंत नहीं छोड़ा तो वे जंतर-मंतर से पुलिस हेडक्वॉर्टर तक एक मार्च निकालेंगे। रात 8 बजे सभी लोग वहां धरना देंगे।

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सांसद 7 लोक कल्याण मार्ग पहुंचे थे

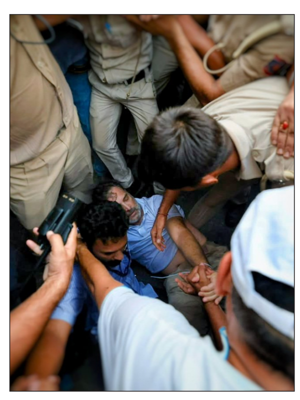

सीजेपी बोली- हिरासत में लिए गए सभी लोग रिहा, पुलिस हेडक्वॉर्टर पर धरना खत्म

कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य सौरव दास ने X पर अपडेट दिया है कि उन्हें उनके वकीलों ने बताया है कि सभी हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा कर दिया गया है। इसलिए दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर चल रहा धरना खत्म किया जा रहा है।

हूती विद्रोहियों की धमकी, भारत-चीन के टैंकरों ने रास्ता बदला

सऊदी से तेल ला रहे थे, होर्मुज बंद होने पर यह रूट चुना था

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। सऊदी अरब का कच्चा तेल लेकर भारत और चीन जा रहे दो तेल टैंकरों ने मंगलवार को रेड सी (लाल सागर) में यू-टर्न लेकर अपना रास्ता बदल लिया। दोनों जहाज बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद वापस स्वेज नहर की ओर मुड़ गए। दरअसल, हूती विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी अरब के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी का ऐलान किया था। इसके बाद उन्होंने दुनियाभर की शिपिंग कंपनियों को ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि सऊदी अरब के किसी भी बंदरगाह पर माल लादने या उतारने वाले जहाजों को उनकी सैन्य पहुंच के भीतर कहीं भी निशाना बनाया जा सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक, इनमें से एक सुपर टैंकर 'शिन लॉन्ग यांग' सोमवार को सऊदी अरब के यनबू बंदरगाह से करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर चीन के लिए रवाना हुआ था। जहाज मंगलवार सुबह बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पहुंचने से पहले ही रुक गया और फिर यू-टर्न लेकर स्वेज रूट की तरफ मुड़ गए। भारत से जुड़ा दूसरा टैंकर भी इसी तरह अपना रास्ता बदलकर उत्तर की ओर चला गया।

सीएम हाउस, स्कूलों और पासपोर्ट ऑफिस को उड़ाने की धमकी

लेटर में लिखा- संजय वर्मा को पटना में छिपाया है, खालिस्तान वाले उसे वहीं ढूंढकर मारेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। ईमेल में दोनों जगहों पर बम ब्लास्ट किए जाने की टाइमिंग का भी जिक्र किया गया है। धमकी देने वाले ने लिखा है कि 21 जुलाई दोपहर 3:11 बजे सबसे पहले पटना सचिवालय में बम का धमाका होगा। इसके बाद रात में 9 बजकर 11 मिनट पर मुख्यमंत्री ऑफिस और आवास को बम से उड़ाएंगे। धमकी भरा ये ईमेल मंगलवार की सुबह 7 बजकर 57 मिनट पर ग्रामीण विकास विभाग को भेजा गया है। विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी रवि कुमार ने थाने में इसकी शिकायत की है। इसके साथ ही पटना के 4 स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें DPS (सीनियर और जुनियर), आर्मी स्कूल और रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल शामिल है। धमकी के बाद स्कूल खाली करवा दिए गए हैं। बेगूसराय, पटना के डाकघरों और पासपोर्ट ऑफिस को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। गयाजी के डाकघरों और पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। दानापुर के 4 स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

फास्ट न्यूज

पंजाब में ऑनर किलिंग, लव-मैरिज करने पर बेटी की हत्या

फरीदकोट। फरीदकोट में अपने ही गांव के लड़के से लवमैरिज करने पर 20 साल की लड़की की हत्या कर दी गई। लड़की के परिजन ने लड़की को तेजधार हथियार से काटा। इसके बाद उसके शव को खेतों में फेंक दिया। मंगलवार सुबह उसकी लाश खेतों में कंटीली फेंसिंग के पास पड़ी मिली। बताया जा रहा है कि करीब ढाई महीने पहले ही लड़की ने लवमैरिज की थी।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 10 मजदूरों की मौत

गंगटोक। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए।

पीएम-शिक्षा मंत्री पर पोस्ट की तो माफी मंगवाई

मंदसौर। मंदसौर में आदिवासी युवक ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर पोस्ट की तो कुछ लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज की। जातिसूचक अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। माफी मांगने पर ही उसे छोड़ा गया। मामला मंदसौर जिले में सोमवार का है। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया। इसमें कुछ युवक पीड़ित से हाथ जोड़कर माफी मंगवाते नजर आ रहे हैं।

सारे चोर भाजपा में चले गए : ममता

शुभेंदु पर कहा- 10 साल में टीएमसी में क्या-क्या किया

रैली

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) चीफ ममता बनर्जी मंगलवार को कोलकाता में आयोजित शहीद दिवस रैली में बागियों पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा- सारे चोर मुझे छोड़कर बीजेपी में चले गए। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने TMC के चुनाव चिह्न पर जीत हासिल की और फिर मेरी पीठ पर खंजर घोंप दिया। मैं इन लोगों को अपनी पार्टी में कभी वापस नहीं लूंगी। अपने संबोधन में ममता बनर्जी ने BJP नेता और राज्य के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी पर राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल कर TMC को कमजोर करने का आरोप लगाया। अपने पूर्व सहयोगी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा- अगर मैं मुंह खोलूं तो बता दूंगी कि तृणमूल में 10 साल के दौरान आपने क्या-क्या किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी कैबिनेट की 18 प्रस्तावों पर मुहर

प्रयागराज-सोनभद्र एक्सप्रेसवे बनेगा, टॉपर छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में 18 प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसमें दो नए एक्सप्रेसवे बनाए जाने को मंजूरी मिली है। संभल रिपोर्ट भी पास की गई है। इसके साथ ही आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेसवे और अन्य परियोजनाओं के ईपीसी मोड में निर्माण के लिए विकासकर्ता चयन संबंधी प्रस्ताव पर भी मुहर लगी। इसके अलावा महिला कल्याण, सचिवालय प्रशासन, गृह विभाग, उच्च शिक्षा, राज्यकर परिवहन, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन और सहकारिता विभाग के प्रस्ताव पास हुए। पहला एक्सप्रेसवे प्रयागराज से सोनभद्र तक 333 किमी लंबा होगा। इसकी लागत 26 हजार करोड़ होगी। दूसरा विंध्य-पूर्वांचल लिंक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे होगा। इसे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इसकी कुल लंबाई 117 किमी होगी। योजना के लिए 9039 करोड़ राशि है।

>> (शेष पेज 06 पर)

विधानमंडल का मानसून सत्र तीन से छह अगस्त तक

विधानमंडल का मानसून सत्र तीन से छह अगस्त तक चलेगा। इस दौरान राज्य सरकार अपने विधायी कार्य निपटाएगी। इसमें अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। यूपी विधानमंडल का आगामी सत्र भी संसद की तरह हंगामेदार होने की आशंका जताई जा रही है। इस दौरान विपक्ष राम मंदिर चढ़ावा चोरी समेत कई मुद्दों पर राज्य सरकार की घेराबंदी कर सकता है।

> मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के तीन प्रस्ताव पास हुए हैं। इसमें रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना, शोध पीठ स्थापना, महिला छात्रावास शामिल है।

सीएम श्रमजीवी छात्रावास बनेगा

अगले प्रस्ताव में सीएम श्रमजीवी छात्रावास वाराणसी में बनेगा। यह छह हजार वर्ग मीटर जमीन पर 500 छात्राओं के लिए बनेगा। झांसी, मेरठ, आगरा, गोरखपुर में पहले ही अनुमति दी जा चुकी है। इसके लिए पहले ही 83 करोड़ की अनुमति दी जा चुकी है। वहीं OutSourcing Nigam पोर्टल और स्टाफ की सैलरी के लिए 20 करोड़ दिए गए हैं। पांच साल बाद से दो करोड़ सालाना से अदायगी होगा। सड़क परिवहन निगम की 220 बसें खरीदी जाएंगी। इसमें 400 करोड़ से ईवी बस खरीदी जाएंगी। ये बसें 50 और 42 सीटर होंगी।

हंगामा : आईएएस की जगह 2 आईपीएस होंगे शामिल, ट्रस्ट की बैठक में 3 सदस्यों पर चर्चा होगी

राम-मंदिर चढ़ावा चोरी : योगी ने नई एसआईटी को मंजूरी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में आज संसद भवन में हंगामे के आसार हैं। वहीं कल यानी 22 जुलाई को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में सदस्यों की कमी पर विचार किया जाएगा। SIT की अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा होगी। सीईओ तैनाती समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की जाएगी। वहीं सोमवार को राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा SIT बनाने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने कहा- नए सिरे से SIT बनाई जाए। सीनियर IPS अधिकारी टीम की अगुआई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी बोले- राम मंदिर ट्रस्ट से सरकार का कोई लेना-देना नहीं

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट से सरकार का कोई लेना देना नहीं है। ट्रस्ट के पुनर्गठन का निर्णय ट्रस्ट के सदस्यों का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने मीडिया को बताया है कि पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का अध्ययन किया जाएगा। उसके बाद एसआईटी गठित की जाएगी। नई एसआईटी में दोनों आईएएस सदस्य बाहर हो जाएंगे। उनकी जगह एक डीआईजी और एक एसएसपी स्तर के आईपीएस अधिकारी को शामिल किया जाएगा। एसआईटी गठन का निर्णय जल्द कर लिया जाएगा।

चढ़ावा चोरी के 8 आरोपी जेल में, अनिल मिश्रा पर गंभीर आरोप

चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने 25 जून को FIR दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसी दिन रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, मनीष यादव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में सभी फैजाबाद जेल में हैं। इन सभी पर चढ़ावा गिनती करते वक्त नोटों और गहनों की चोरी का आरोप है।

उधर, SIT ने ट्रस्ट्री अनिल मिश्रा को चढ़ावा चोरी के लिए जिम्मेदार माना है।

आरोप है कि उन्होंने चढ़ावा गिनती की प्रक्रिया में लापरवाही बरती। तय गाइडलाइन का पालन नहीं किया। ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो चुका है।

तीन बैंक खातों की हो रही जांच

सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तीन बैंक खातों में से किसी खाते के संबंध में क्लोन चेक के जरिए धन निकालने का प्रयास या किसी तरह की वित्तीय अनियमितता हुई या नहीं। यदि जांच में ऐसे तथ्य सामने आते हैं तो मामला केवल चढ़ावा चोरी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बैंकिंग धोखाधड़ी से जुड़े पहलुओं की भी जांच होगी। ट्रस्ट के साथ 2020 में भी फर्जी चेक के जरिए धोखाधड़ी हुई थी। सितंबर 2020 में दो फर्जी चेकों के माध्यम से कुल छह लाख रुपये निकाले गए थे।

किसानों का दिल्ली कूच स्थगित

दो मांगों पर सहमति बनी, हरियाणा में बॉर्डर सील

तमसा संकेत, एजेंसी

अंबाला/कुरुक्षेत्र। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने मंगलवार का प्रस्तावित दिल्ली कूच और किसान घाट महापंचायत फिलहाल स्थगित कर दी। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ हुई बैठक के बाद किसान लौट गए, जिससे दोनों बॉर्डरों पर ट्रैफिक भी सामान्य हो गया। कुरुक्षेत्र पुलिस ने किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी समेत हिरासत में लिए गए नेताओं को रिहा कर दिया। भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि, CJP के संसद घेराव के मद्देनजर हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा कड़ी रही। कई जिलों में किसान नेताओं और CJP समर्थकों को नजरबंद या हिरासत में लिया गया। अंबाला के शंभू बॉर्डर पर 27 जुलाई तक धारा 163 लागू है।

लखनऊ हाईकोर्ट ने राहुल गांधी आय से अधिक मामले में सीबीआई को फटकार लगाई

'ईडी को जांच में सबूत मिलते हैं तो कार्रवाई करे'

सुनवाई

- अदालत ने उन्हें भी चार सप्ताह का समय दिया।
- याचिकाकर्ता की दो नई अर्जियां रिकॉर्ड पर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने CBI के दाखिल काउंटर एफिडेविट पर असंतोष जताते हुए कहा कि इससे जांच की प्रगति स्पष्ट नहीं हो रही है।

अदालत ने CBI को जॉइंट डायरेक्टर स्तर के अधिकारी से नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि ED ने शुरुआती कार्रवाई की है, अगर जांच में नए सबूत मिलते हैं तो कानून के मुताबिक आगे भी कार्रवाई करे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई से पहले CBI की ओर से ACHQ जोन, नई दिल्ली के जॉइंट डायरेक्टर/हेड ऑफ जोन स्तर के अधिकारी का नया काउंटर एफिडेविट दाखिल किया जाए, जिसमें जांच की प्रगति का स्पष्ट और विस्तृत विवरण हो। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के काउंटर एफिडेविट का अवलोकन करने के बाद कहा कि एजेंसी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि जांच के दौरान साक्ष्य और दस्तावेजों के आधार पर कोई अवैध गतिविधि सामने आती है तो ED कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

सीबीआई के जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ कोर्ट

न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति बृज राज सिंह की खंडपीठ ने कहा कि CBI का काउंटर एफिडेविट 12 मई 2026 के आदेश के अनुरूप नहीं है। अदालत ने टिप्पणी की कि दाखिल हलफनामे से यह समझना संभव नहीं है कि CBI ने शिकायत पर अब तक क्या जांच की और उसकी क्या प्रगति हुई है?

केंद्र सरकार समेत अन्य एजेंसियों को चार सप्ताह का समय

सुनवाई के दौरान प्रतिवादी संख्या-6 की ओर से अधिवक्ताओं नीरव चित्रवंशी और अमर मणि तिवारी ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए चार सप्ताह का समय दिया। केंद्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एवं डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया एस.बी. पांडे ने प्रतिवादी संख्या 5, 7, 8, 9 और 10 की ओर से विस्तृत काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के लिए समय मांगा।

मामला अब 'पार्ट-हर्ड', 20 अगस्त को अगली सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि इस मामले की लंबी सुनवाई हो चुकी है, इसलिएC अगली तारीख पर इसे पार्ट हर्ड के रूप में इसी खंडपीठ के समक्ष सुना जाएगा। इसके लिए मुख्य न्यायाधीश से आवश्यक प्रशासनिक आदेश प्राप्त किए जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त 2026 को दोपहर बाद चैंबर में होगी।

> हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि सोमवार को दाखिल सभी आवेदनों को आवेदन संख्या आवंटित करने के बाद पूरा रिकॉर्ड फिर से सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ रजिस्ट्रार की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाए।

पुलिस ने बीजेपी ब्लॉक प्रमुख के भतीजे की भैंस खोजी

150 सीसीटीवी कैमरे खंगालकर चोर को दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। निगोहां पुलिस ने 48 घंटे के भीतर पशु चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की गई दो भैंसें भी बरामद की हैं, जिनमें से एक भाजपा के ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला के भतीजे अभिषेक शुक्ला की है।

थानाध्यक्ष रवींद्र कुमार ने बताया कि बाजपेई खेड़ा निवासी अभिषेक शुक्ला और पश्चिम गांव निवासी वंश दीपक अवस्थी की भैंसें चोरी हुई थीं। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

रवींद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने बाराबंकी निवासी राजन को जंगल-मंगल तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों दिलीप उर्फ छोटू और देवराज के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने दोनों चोरी की गई भैंसें भी बरामद कर ली हैं। फरार चल रहे दोनों अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी राजन पर पहले से चोरी, लूट और एनडीपीएस एक्ट सहित पांच मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने चोरी का खुलासा करने वाली टीम थानाध्यक्ष निगोहां रवींद्र कुमार, एसआई कुलदीप कुमार, चंदन यादव और कांस्टेबल रोहित, जावेंद्र, रजकरन को अंगवस्त्र और मां विंध्यवासिनी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

- ब्लॉक प्रमुख ने पुलिस टीम को सम्मानित किया

फास्ट न्यूज

लखनऊ में करंट लगने से 19 वर्षीय युवक की मौत

मोहनलालगंज । तेलीबाग स्थित शनि मंदिर के पास मंगलवार सुबह करीब 7 बजे हुए दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। युवक चाय की दुकान से मसाला लेने पास की पान की गुमटी पर गया था। गुमटी के पास लगे बिजली के पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे तत्काल पीजीआई ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ में यात्री बसों की आड़ में जीएसटी चोरी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राज्य कर विभाग और परिवहन विभाग के संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन कवच' के दौरान जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच टीम ने दिल्ली से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापारिक माल ले जा रही नौ लग्जरी यात्री बसों को पकड़कर बड़ी कार्रवाई की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बसों के जरिए बिना ई-वे बिल और अन्य वैध दस्तावेजों के भारी मात्रा में व्यापारिक माल की ढुलाई की जा रही थी। विभाग का अनुमान है कि बसों से करीब 300 बोरे संदिग्ध माल बरामद हुआ है, जिस पर कर चोरी का मामला बनता है।

हाईवे रूट की बसों का किराया 14 रुपए घटा

लखनऊ । लखनऊ से कानपुर हाईवे के रास्ते संचालित होने वाली रोडवेज बसों में सफर अब पहले से सस्ता होगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने हाईवे रूट की बसों का किराया 14 रुपए कम कर दिया है। संशोधित किराया मंगलवार से लागू हो गया है। वहीं एक्सप्रेसवे के रास्ते चलने वाली बसों का किराया टोल शुल्क के कारण सामान्य बसों की तुलना में अधिक रहेगा।

पशुओं के चारे की उपलब्धता पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज विधान सभा स्थित समिति कक्ष संख्या-44-ख में प्रदेश में पशुओं को चारा उपलब्ध कराए जाने के संबंध में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में गोवंश एवं अन्य पशुओं के लिए चारे की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना और इस दिशा में आवश्यक रणनीति तैयार करना था। इस बैठक के दौरान चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश उन्नाव के वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों द्वारा कृषि, पशुपालन और पर्यटन एकीकृत विकास मॉडल के विषय में प्रेजेंटेशन दिया गया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह तथा पशुपालन मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने प्रस्तुतीकरण कर रहे प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि सुझावों की विस्तृत समीक्षा कर सहयोग के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव पशुपालन श्री मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव कृषि श्री रवींद्र, महानिदेशक उपकार डॉ. संजय सिंह, निदेशक कृषि डॉ. पंकज त्रिपाठी तथा चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश उन्नाव के वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

बंद मकान में लाखों की चोरी हरिद्वार गया परिवार

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में एक सूने मकान में चोरी हो गई। चोरों ने ताले तोड़कर जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। यह घटना तब हुई जब मकान मालिक परिवार सहित हरिद्वार दर्शन के लिए गए हुए थे। पीड़ित ने पारा थाने में तहरीर दी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुंदन बिहार, डिप्टी खेड़ा निवासी पवन कुमार वर्मा 18 जुलाई को अपने परिवार के साथ हरिद्वार गए थे। 21 जुलाई की सुबह 7 बजे मोहल्ले के लोगों ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि उनके घर का मुख्य दरवाजा खुला है और ताले टूटे पड़े हैं। सूचना मिलने पर पवन कुमार ने अपने छोटे भाई अमन को घर भेजा।

अमन जब मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मुख्य गेट के अलावा घर के अंदर के सभी कमरों के ताले और इंटरलॉक टूटे हुए थे। अलमारी और लॉकर भी क्षतिग्रस्त पाए गए। अमन ने तत्काल डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी और घटनास्थल का वीडियो भी बनाया।

स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर सृजित हो रहे हैं-जयवीर सिंह

गंगा तटीय विरासत को पर्यटन से जोड़े

ग्रामीण पर्यटन को एग्री रूरल एवं गंगेग्राम रूरल टूरिज्म परियोजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही है गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की घोषणाओं के अनुरूप पर्यटन विभाग द्वारा एग्री रूरल एवं गंगेग्राम रूरल टूरिज्म परियोजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के चयनित ग्रामों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य ग्रामीण संस्कृति, लोक कला, कृषि आधारित अनुभव एवं लोक जीवन के साथ गंगा तटीय विरासत को जोड़ते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका को बढ़ावा देना है। परियोजना के अंतर्गत पर्यटन ग्रामों में होम-स्टे, फार्म-स्टे, पर्यटन की आधारभूत संरचनाओं को विकास तथा स्थानीय महिलाओं, युवाओं, होम-स्टे संचालकों एवं अन्य हितधारकों का कौशल विकास किया जा रहा है। इससे ग्रामीण पर्यटन को एक मजबूत आधार मिल रहा है।

यह जानकारी मंगलवार को प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन अब शहरों की ओर से चलकर गांवों की ओर अग्रसर है, इससे युवा पीढ़ी जुड़ रही है, क्योंकि पर्यटन में रोजगार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजी-रोटी की असीमित संभावनाएं हैं। परियोजना को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय पहचान प्राप्त हुई है। वर्ष 2024 में पूरा महादेव जनपद बागपत को पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बेस्ट टूरिज्म विलेज तथा वर्ष 2025 में जनपद बहराइच के कारीकोट गांव को इण्डियन सबकान्टि-नेन्ट रिस्पांस्बुल टूरिज्म एवार्ड से सम्मानित किया गया है।

> जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार राधा माधव होम-स्टे जनपद प्रतापगढ़ एवं सप्त सरोवर पीलीभीत को बेस्ट होम-स्टे तथा रुबन रिजॉर्ट जनपद गाजियाबाद, लिविंग ग्रीन फार्म्स प्रयागराज एवं मड हाउस फार्म स्टे आगरा को बेस्ट फार्म स्टे के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के सामर्थ्य एवं संसाधन दोनों मौजूद

पर्यटन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन के सामर्थ्य एवं संसाधन दोनों मौजूद हैं। अच्छी कानून व्यवस्था एवं आवागमन के बेहतर साधन होने के कारण अब देशी-विदेशी पर्यटक कई पर्यटक स्थलों का भ्रमण कर पा रहे हैं। इसके साथ ही पर्यटकों का ठहराव के साथ-साथ पर्याप्त कमरे की भी व्यवस्था है। यह सारे कारक मिलकार उत्तर प्रदेश को पर्यटन की दृष्टिकोण से उचाइयों पर ले जा रहे हैं। वर्ष 2025 में 01 अरब 58 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन संभव हो सका है।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कहीं पर भी मदिरा से जनहानि की अप्रिय घटना न होने पाये

अवैध मदिरा व कच्ची शराब की आपूर्ति की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए

आबकारी मंत्री ने विभागीय समीक्षा कर अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कहीं पर भी मदिरा से होने वाली जनहानि की अप्रिय घटना न होने पाये। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें, जहां कहीं से भी अवैध मदिरा व कच्ची शराब की आपूर्ति की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों से जुड़े जिलों में प्रवर्तन की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खासतौर से पूर्वांचल, बुंदेलखण्ड और पश्चिम क्षेत्र के संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आबकारी मंत्री मंगलवार को लखनऊ में डालीबाग स्थित गन्ना संस्थान के सभागार में आबकारी विभाग के राजस्व प्राप्ति की प्रथम त्रैमासिक प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग प्रदेश में सर्वाधिक राजस्व अर्जित करने वाला विभाग ही नहीं है बल्कि पिछले साढ़े चार वर्षों में मदिरा से किसी भी प्रकार की जनहानि जैसी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई है, जिसका श्रेय विभाग के सभी अधिकारियों को जाता है। इसी प्रकार पूरी संवेदनशीलता और टीम भावना के साथ कार्य करना है, जिससे शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। मदिरा की ओवररेटिंग से संबंधित आने वाली शिकायतों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। आबकारी मंत्री ने सभी जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 71,278 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का एक बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

- वर्तमान वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) में 15,809.25 करोड़ रुपए मिला राजस्व
- गत वर्ष इसी दौरान 14,228.91 करोड़ रुपए प्राप्त राजस्व से 116.05 प्रतिशत अधिक
- वित्तीय वर्ष 2026-27 में (अप्रैल से जुलाई) अब तक 18,655.23 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त -आबकारी मंत्री श्री नितिन अग्रवाल

शर्मा जी टी स्टॉल के मालिक का बेटा गिरफ्तार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज इलाके में स्थित स्पैरो रिजॉर्ट में पार्टी के दौरान हुई हर्ष फायरिंग के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी शर्मा टी स्टाल के मालिक के बेटे गौरव शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। न्यायिक अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। 2 अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस मामले की विवेचना में लापरवाही पाए जाने पर कनकहा चौकी इंचार्ज उपनिरीक्षक निमेश दुबे निलंबित किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, सीतापुर निवासी जितेंद्र सिंह ने 20 जुलाई को मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर बताया था कि 19 जुलाई की रात मदाखेड़ा स्थित स्पैरो रिजॉर्ट में गौरव शर्मा ने रिंकू तिवारी उर्फ आशीष तिवारी के माध्यम से पार्टी आयोजित की थी। पार्टी के दौरान कुछ लोगों ने खुलेआम हर्ष फायरिंग की, जिससे वहां मौजूद लोगों की जान खतरे में पड़ गई।

बीपी की दवा खाई तो पड़ सकता है हार्ट अटैक

नकली दवाएं ज्यादा बीमार कर देंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कहीं आपको ऐसा तो नहीं लग रहा है कि आप मां का इलाज करा रहे हैं लेकिन उनकी तबीयत में सुधार नहीं हो रहा है? अगर ऐसा है तो सावधान हो जाइए। सावधान इसलिए भी हो जाइए कि आप जो बीपी की दवा खा रहे हैं, उससे हार्ट अटैक पड़ सकता है। इसका मतलब है दवा नहीं लेंगे तो परेशान हो सकते हैं और अगर दवा खा ली तो जान पर भी बन आ सकती है।

हम आपको डरा नहीं रहे हैं, बल्कि सावधान कर रहे हैं। दरअसल, लखनऊ की दवा मंडी अमीनाबाद, बीकेटी और गोंडा जिले में औषधि प्रशासन के अधिकारियों को छापे में लाखों की नकली दवाएं मिली हैं। ये दवाएं आप डॉक्टर की लिखी पर्ची पर लाते हैं, लेकिन आपको मेडिकल स्टोर से स्पेलिंग में गलती, फर्जी बैच नंबर के साथ डुप्लीकेट दवा मिल जाती है।

बीते दिनों हुई छापेमारी के दौरान जितनी भी दवाएं पकड़ी गईं, उनमें ज्यादातर ऐसी हैं, जिन्हें करीब हर दूसरा व्यक्ति सेवन कर रहा है। यानी उनमें ज्यादातर बुखार, जुकाम, सर्दी, नॉर्मल इन्फेक्शन, सूजन आदि की दवाएं शामिल हैं।

सीनियर कंसल्टेंट डॉ. नीरज मिश्र के अनुसार,ब्लड प्रेशर की दवा असर न करने पर हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

कार्रवाई : पन्नी का सौदा कर ढाई लाख रुपए मंगाया, फरार आरोपी की तलाश जारी

कारोबारी को बुलाकर लूटने वाले 3 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में एक डिस्पोजल कारोबारी को पन्नी का सौदा करने के बहाने बुलाकर लूट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने ढाई लाख रुपए की लूट की थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी थी।

पारा के कुंदन बिहार डिप्टी खेड़ा निवासी महेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी एकता नगर चौराहा, ठाकुरगंज में डिस्पोजल दोना-पन्नी की दुकान है। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति, जिसने अपना नाम शेख बताया था, उनकी दुकान पर आया और करीब ढाई लाख रुपये की पन्नी खरीदने का सौदा तय किया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान नदिया वेस्ट बंगाल निवासी मोहन शेख पुत्र सौरभ शेख (38) हाल पता जेजे कालोनी बवाना नोर्थ वेस्ट दिल्ली, उत्तर चौबीस परगना, पश्चिम बंगाल निवासी सोहेल (29) पुत्र मोती शेख हाल पता सरवर स्कूल वाली गली बडी पकरिया खदरा मदेयगंज और नदिया वेस्ट बंगाल निवासी राकिब (28) के रूप में हुई। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए रुपयों में से कुल 1,92,000 बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी मोहन शेख से पूछताछ में बताया कि अपने साथियों के साथ मिलकर दुकानदारों को सस्ते दामों पर सामान उपलब्ध कराने का झांसा देते थे। दुकानदारों को विश्वास में लेने के बाद उन्हें किसी सुनसान स्थान पर बुलाते थे और वहां अपने साथियों के साथ मिलकर उनके पास मौजूद रुपये लूटकर फरार हो जाते थे।

> आरोपी ने 20 जुलाई को उन्हें माल देने और भुगतान लेने के लिए दोपहर में संझियाघाट, खदरा मदेयगंज बुलाया। वह तय स्थान पर रुपए लेकर पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद शेख और उसके दो साथियों ने उन्हें डराकर बैग में रखे ढाई लाख रुपए छीन लिए और मौके से फरार हो गए।

200 सीसीटीवी चेक किए

पीड़ित ने बताया कि उन्होंने आरोपियों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए। इसके बाद शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश कर रही थी। टीमें आसपास लगे 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही थी।

इसके साथ ही टेक्निकल साक्ष्यों, स्थानीय जानकारी एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मंगलवार करीब 11:30 बजे पुलिस टीम ने पक्का पुल के नीचे गोमती नदी की तरफ मदेयगंज से तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

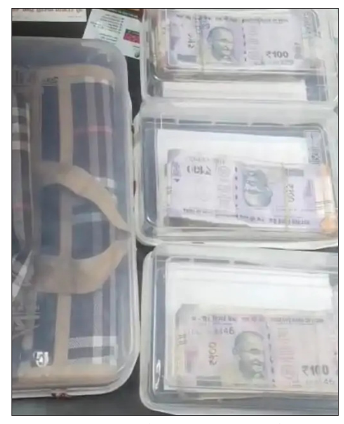

आरोपियों से कैश बरामद हुआ है।

कांग्रेस ने जन भवन घेरा

पीएम मोदी की तस्वीर पर स्याही डाली, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को जन भवन के बाहर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का पीएम मोदी के घर के बाहर हो रहे प्रदर्शन को समर्थन दिया। प्रदर्शन से पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को जन भवन आने से रोक लिया गया।

उन्हें हिरासत में लेकर इको गार्डन भेजा गया। अजय राय को हिरासत में लिए जाने के 1 घंटे के बाद कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष शहजाद आलम और अन्य कार्यकर्ता जन भवन पहुंचे और जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर ईको गार्डन ले गई। प्रदर्शन में शामिल रवि ने कहा कि वह एक छात्र हैं। छात्रों के हितों के मुद्दों पर आज जन भवन घेरने आए हैं। NEET की परीक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान तत्काल इस्तीफा दें।

'दिल्ली में राहुल गांधी और लखनऊ में हम लोग कर रहे संघर्ष'

प्रदर्शनकारियों ने पीएम मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर शहजाद ने कहा कि लगातार यह सरकार छात्रों के अधिकारों का हनन कर रही है। सोमवार कुछ इस तरह से दिल्ली में छात्रों पर बर्बरता पूर्वक लाठी बरसाई गई उन्हें चोट पहुंचाई गई यह बेहद शर्मनाक।

हमारे नेता राहुल गांधी दिल्ली में यह लड़ाई लड़ रहे हैं और हम तमाम कार्यकर्ता लखनऊ में छात्रों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

कार काटकर शव निकाले गए, हरियाणा से अयोध्या रामलला के दर्शन के लिए निकले थे

कैंटर में जा घुसी कार, 2-दोस्तों की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के फतेहाबाद-बाह मार्ग पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार कार की कैंटर से टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार कैंटर में फंसकर करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसा देर रात करीब एक बजे 'बाबा की तिबरिया' के पास हुआ।

टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों युवक अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हाइड्रा मशीन की मदद से कार को काटकर दोनों शवों को बाहर निकाला। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

हाइड्रा मशीन से वाहनों को अलग कर निकाली बॉडी।

गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवक हरियाणा के रहने वाले थे। वे कार से अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। रास्ते में आगरा के फतेहाबाद-बाह मार्ग पर उनकी कार कैंटर से टकरा गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद कैंटर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कैंटर को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर दी हैं। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर होकर कैंटर के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। सूचना मिलते ही थाना फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण शवों को निकालना आसान नहीं था। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने हाइड्रा मशीन की मदद से कार को काटकर शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद दोनों शवों को बाहर निकाला।

फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया- पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और वाहन के नंबर के आधार पर हादसे के कारणों की जांच कर रही है। फरार कैंटर चालक की तलाश जारी है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

की जांच की जा रही है। फरार कैंटर चालक की तलाश जारी है। चालक की गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना के तुरंत बाद कैंटर चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कैंटर को अपने कब्जे में ले लिया है। वाहन के दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चालक की पहचान की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों को जानकारी दी गई, जिसके बाद परिवार में मातम छा गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का प्रतीत होता है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फरार कैंटर चालक की गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है, ताकि हादसे की पूरी तस्वीर सामने आ सके।

दोनों दोस्त मिलकर एक जिम चलाते थे

फरीदाबाद जिले के जाजऊ गांव के रहने वाले नितिन (38) और पलवल के रहने वाले रुपेश (40) दोनों दोस्त थे। दोनों एक साथ मिलकर बल्लभगढ़-फरीदाबाद के सीकरी क्षेत्र में जिम चलाते थे। परिजनों के अनुसार, दोनों सोमवार को घर से अयोध्या राम मंदिर के दर्शन के लिए निकले थे। सोमवार रात फतेहाबाद थाना क्षेत्र में उनकी कार की कैंटर से टक्कर हो गई। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

हिंदू कॉलेज में हेल्प डेस्क को लेकर बवाल

एबीवीपी-सपा छात्र सभा के कार्यकर्ता भिड़े, पुलिस ने खदेड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में मंगलवार दोपहर प्रवेश प्रक्रिया के दौरान हेल्प डेस्क लगाने को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। दोनों छात्र संगठनों के कार्यकर्ता कॉलेज परिसर में आमने-सामने आ गए और उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। कुछ देर के लिए कॉलेज परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया, हालांकि कॉलेज प्रशासन और पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित किया गया। मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में हेल्प डेस्क लगाने को लेकर एबीवीपी और समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। नए सत्र में प्रवेश लेने आने वाले छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए एबीवीपी और सपा छात्र सभा दोनों ने कॉलेज परिसर में हेल्प डेस्क लगाने की तैयारी की थी। इसी दौरान हेल्प डेस्क लगाने के स्थान और अनुमति को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में हेल्प डेस्क लगाने को लेकर एबीवीपी और समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया।

फास्ट न्यूज

राष्ट्रीय ऑनलाइन ड्रॉइंग प्रतियोगिता में हरदोई का शानदार प्रदर्शन

हरदोई। हरदोई की अंतर्ध्वनि जन कल्याण समिति द्वारा 1 जून से आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन ड्रॉइंग प्रतियोगिता 'पेंट ओ मेनिया-9' के अंतिम परिणाम मंगलवार दोपहर घोषित कर दिए गए। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। हरदोई के प्रतिभागियों ने अलग-अलग वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए।

रोड चौड़ीकरण के लिए खुद हटाने लगे अतिक्रमण

उन्नाव। उन्नाव में पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना के तहत भवन स्वामी लगातार अपने मकानों और दुकानों के आगे बने चबूतरे व छज्जे खुद हटा रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने पीडब्ल्यूडी की ओर से स्पष्ट निशान नहीं लगाए जाने का हवाला देते हुए निर्माण तोड़ने से इनकार किया है, जबकि विभाग ने जल्द जेसीबी से कार्रवाई की चेतावनी दी है। सोमवार को दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश के बावजूद लोहिया स्कूल से लेकर पोनी रोड झंडा चौराहा तक कई भवन स्वामियों ने अपने मकानों के चबूतरे, छज्जे और अन्य निर्माण तुड़वाए।

गौचर भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

उन्नाव। उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम ऐरा भदियार में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। गांव निवासी रामकिशोर ने जिलाधिकारी से शिकायत की है कि वर्तमान ग्राम प्रधान गौचर और बंजर भूमि पर अवैध निर्माण करा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे करीब 100 साल पुराने शिव मंदिर को खतरा है और विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

266 की यूरिया 580 रुपए में बेचने का आरोप

पोर्टल पर फीडिंग करना सीखा, एडीएम बोलीं- त्रुटि रहित हो काम

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे रामनगर स्थित प्रसिद्ध श्री लोधेश्वर महादेव धाम पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक, दर्शन और पूजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति तथा जनकल्याण की कामना की। मंदिर पहुंचने पर रामनगर ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी ने माल्यार्पण कर डॉ. राजभर का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर पंडित मयंक शास्त्री और बाबा आदित्यनाथ के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन-अर्चन किया। पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़

भी मौजूद रही। दर्शन-पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में डॉ. अरविंद राजभर ने कहा कि भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन का सौभाग्य मिलना उनके लिए अत्यंत आनंद और आध्यात्मिक अनुभूति का विषय है। उन्होंने कहा कि लोधेश्वर धाम केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां आकर मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है। डॉ. राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लोधेश्वर महादेव धाम का भव्य कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है।

उन्नाव जिला अस्पताल में मरीजों की बढ़ी भीड़

वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और फंगल इन्फेक्शन के सबसे ज्यादा केस, 500 से अधिक मरीज पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में हाल की बारिश के बाद मौसम में आए बदलाव का असर लोगों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप के बीच मंगलवार को जिला अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ओपीडी से लेकर इमरजेंसी, पैथोलॉजी और एक्स-रे कक्ष तक मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। पंजीकरण, जांच और दवा लेने के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। मंगलवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 500 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराया। अस्पताल पहुंचे अधिकांश मरीज वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, पेट दर्द, उल्टी-दस्त, फंगल संक्रमण और त्वचा संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। मरीजों में बच्चों और बुजुर्गों की संख्या भी काफी अधिक रही, जिन्हें मौसम में बदलाव का सबसे ज्यादा

असर झेलना पड़ रहा है। अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग और एक्स-रे कक्ष में भी पूरे दिन मरीजों की भीड़ बनी रही। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि बुखार, लगातार खांसी, उल्टी-दस्त, त्वचा पर संक्रमण या अन्य मौसमी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। साथ ही उबला या स्वच्छ पानी पीने, ताजा भोजन करने, आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और जलभराव वाले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है। रक्त जांच, एक्स-रे और अन्य आवश्यक जांच कराने के लिए लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा। कई मरीजों ने जांच और रिपोर्ट मिलने में देरी की शिकायत भी की, जिससे उन्हें काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।

डॉक्टरों ने किया उपचार, बरतने को कहा एहतियात

ओपीडी में तैनात डॉ. कौशलेंद्र, डॉ. शोभित और अन्य चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। डॉक्टरों ने लोगों को मौसम में हो रहे बदलाव को देखते हुए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीने और बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई भी दवा न लेने की सलाह दी।

भीड़ के बीच उपचार व्यवस्था जारी

मरीजों की बढ़ती संख्या के बावजूद जिला अस्पताल में पूरे दिन उपचार कार्य जारी रहा। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। हालांकि अत्यधिक भीड़ के कारण कई मरीजों और उनके तीमारदारों को पर्चा बनवाने, जांच कराने और दवा लेने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा।

बारिश के बाद तेजी से फैल रहे वायरल और फंगल संक्रमण

चिकित्सकों के अनुसार बारिश के बाद जलभराव, वातावरण में बढ़ी नमी और तापमान में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसके अलावा फंगल संक्रमण और त्वचा संबंधी रोगों के मामलों में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ऐसे मौसम में लापरवाही स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन सकती है।

> **डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि बुखार, लगातार खांसी, उल्टी-दस्त, त्वचा पर संक्रमण या अन्य मौसमी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें।**

पेड़ गिरने से युवक की मौत, दो घायल

हादसे में 3 गंभीर घायल, चपेट में आए थे दो बाइक सवार

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के औरास कस्बे में मंगलवार दोपहर तेज बारिश के दौरान पेड़ गिर गया। जिसकी चपेट में दो बाइक सवार आ गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं एक लड़का और एक युवती समेत तीन लोग घायल हो गए। घटना के कारण संडीला मार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:15 बजे हुई। गोबरा गांव निवासी सुजीत (20) अपने गांव के विशाल (14) के साथ बाइक से औरास आया था। बताया गया कि वे बाल कटवाने के बाद वापस लौट रहे थे। थाना औरास से लगभग 500 मीटर आगे संडीला मार्ग पर पहुंचते ही सड़क किनारे खड़ा चिलबल का पेड़ अचानक जड़ से उखड़कर उनकी

बाइक पर गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से सुजीत और विशाल गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान, सीमऊ गांव से औरास की ओर आ रही दूसरी बाइक भी पेड़ की चपेट में आ गई। जिसके साथ उसका भाई अरुण और बहन रिंकी भी सवार थे। हादसे में अंकित और अरुण को मामूली चोटें आईं, जबकि रिंकी के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद केजीएमयू, लखनऊ रेफर किया गया।

बाइक पर बैठे युवक पर गिरा पेड़

उन्नाव। उन्नाव में कई घंटों की बारिश के बाद मंगलवार दोपहर 2 बजे जर्जर पेड़ बाइक पर बैठे युवक पर गिर गया। गर्दन दबने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर खून फैल गया। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पेड़ गिरने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी और कटर मशीन की मदद से सड़क से पेड़ को हटवाया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों से वाहनों को निकालकर यातायात सामान्य कराया। हादसा उन्नाव-संडीला मार्ग पर औरास थाना क्षेत्र स्थित एक गेस्ट हाउस के पास एक बड़ा पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। हादसा औरास थाना क्षेत्र में उन्नाव-संडीला मार्ग का बताया जा रहा है। मृतक की पहचान गोबरा के रहने वाले सुजीत(20) पुत्र रामू के रूप में हुई है। सुजीत मंगलवार दोपहर करीब 1.50 बजे नाई के पास बाल कटवाने गए थे।

राष्ट्रीय परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर जताया विरोध, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

युवाओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में मंगलवार दोपहर युवाओं और छात्रों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर राष्ट्रीय परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में किया गया। प्रदर्शन-कारियों ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। दोपहर करीब 12 बजे युवा निरीक्षण भवन के सामने स्थित अंबेडकर पार्क में तख्तियां लेकर एकत्र हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर भारत माता की जयरु और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग वाले नारों से गूंज उठा।

निष्पक्ष जांच और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग

प्रदर्शनकारियों ने शिक्षाविद् सोनम वांगचुक के आंदोलन का समर्थन करते हुए राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई सभी अनियमित-ताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

साथ ही शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की अपील की।

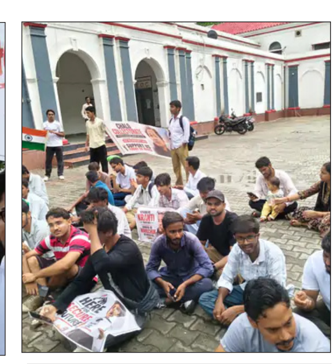

बड़ी संख्या में युवा और छात्र रहे मौजूद

प्रदर्शन में शरद, ऐश्वर्या गुप्ता, जसप्रीत, सौरभ देव, नितिन गौर, ध्रुव, हर्षपाल, निखिल यादव, प्रतीश, प्रांजल सिंह, यश राज, लाइक अहमद, शौर्य, ज़ैद हसन, रेहान, नूर, प्रियम, अभय यथार्थ, नागमित्र और हर्ष सहित बड़ी संख्या में स्थानीय युवा एवं छात्र शामिल रहे।

ज्ञापन में प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के कार्यकाल में राष्ट्रीय परीक्षाओं की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में नीट-यूजी और यूजीसी-नेट परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के मामले सामने आए थे। इसके बाद मई 2026 में आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में भी पेपर लीक के आरोप लगने के बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ।

निर्माण : राघवपुर में आंगनबाड़ी, रास्ते और तालाब की भूमि का सीमांकन शुरू

सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे, राजस्व टीम पहुंची

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले के त्रिवेदीगंज तहसील क्षेत्र के लोनी कटरा थाना अंतर्गत ग्राम राघवपुर में सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण के मामले में मंगलवार को प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी। राजस्व विभाग की टीम गांव पहुंची और सरकारी अभिलेखों में दर्ज भूमि का सीमांकन किया। कार्रवाई के दौरान गांव में हलचल का माहौल रहा और कब्जाधारकों में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई गांव की समाजसेविका अर्चना यादव, पुत्री अयोध्या प्रसाद, द्वारा की गई शिकायत के आधार पर की जा रही है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गांव की आंगनबाड़ी, सार्वजनिक रास्ते, तालाब और श्मशान की सरकारी भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर पक्के निर्माण और खेती शुरू कर

तालाब का सीमांकन पूरा, अन्य भूमि का कार्य जारी

राजस्व टीम के गांव पहुंचते ही पूरे इलाके में हलचल मच गई। कानूनगो मनी राम यादव ने बताया कि सार्वजनिक तालाब का सीमांकन पूरा कर लिया गया है, जबकि अन्य गाटा संख्याओं का सीमांकन अभी जारी है। उन्होंने कहा कि सभी भूमि का सीमांकन पूरा होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को भेजी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी ऐसी कार्रवाइयां हुईं, लेकिन बाद में मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वहीं शिकायतकर्ता अर्चना यादव ने प्रशासन से निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाना चाहिए, ताकि उनका उपयोग जनहित के कार्यों के लिए हो सके।

दी है। शिकायत के अनुसार, गाटा संख्या 120 (रकबा 0.2850 हेक्टेयर), जो सरकारी अभिलेखों में आंगनबाड़ी केंद्र के लिए दर्ज है, उस पर अमरेन्द्र यादव, धर्मेंद्र, सतेन्द्र, राम सजीवन और आशाराम

रास्ते और तालाब की जमीन पर भी कब्जे का आरोप

शिकायत में यह भी कहा गया है कि गाटा संख्या 121, जो सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है, उस पर भी अवैध कब्जा कर लिया गया है। वहीं गाटा संख्या 108 (रकबा 0.5900 हेक्टेयर) में स्थित सार्वजनिक तालाब को पाटकर उसके अधिकांश हिस्से पर निर्माण किए जाने का आरोप लगाया गया है।

पुत्र केशव द्वारा कथित रूप से कब्जा कर पक्का निर्माण करा लिया गया है। शिकायतकर्ता ने इसे

सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण बताते हुए कार्रवाई की मांग की है शिकायत में गाटा संख्या 213 (रकबा 0.1140 हेक्टेयर), जो श्मशान भूमि के रूप में दर्ज है, पर भी कुछ लोगों द्वारा खेती किए जाने का आरोप लगाया गया है।

लोधेश्वर महादेव के दरबार पहुंचे सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव

बाराबंकी में जलाभिषेक कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे रामनगर स्थित प्रसिद्ध श्री लोधेश्वर महादेव धाम पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक, दर्शन और पूजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति तथा जनकल्याण की कामना की। पहुंचने पर रामनगर ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी ने माल्यार्पण कर डॉ. राजभर का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर पंडित मयंक शास्त्री और बाबा आदित्यनाथ के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन-अर्चन

किया। पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ भी मौजूद रही। दर्शन-पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में डॉ. अरविंद राजभर ने कहा कि भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन का सौभाग्य मिलना उनके लिए अत्यंत आनंद और आध्यात्मिक अनुभूति का विषय है। उन्होंने कहा कि लोधेश्वर धाम केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां आकर मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है। डॉ. राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लोधेश्वर महादेव धाम का भव्य कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और यह धार्मिक स्थल पहले से अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित बनेगा। उन्होंने भगवान लोधेश्वर से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने और प्रदेश के विकास की कामना भी की। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी, अम्बरीष चतुर्वेदी, प्रधान राजेश अवस्थी, भुल्लन बीडीसी, राजेश त्रिवेदी, अखिलेश पांडे सहित सुभासपा और भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मंदिर में दर्शन-पूजन कर क्षेत्र की खुशहाली और जनकल्याण की प्रार्थना की।

सम्पादकीय

दिशाहीन आयोजन

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश की एक आहत करने वाली टिप्पणी की प्रतिक्रिया से उपजी काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के संसद मार्च के समय दिल्ली में जिस तरह हंगामा और हिंसा हुई, उसकी आशंका पहले से ही थी, क्योंकि इस कथित राजनीतिक दल का धरना-प्रदर्शन पूरी तरह दिशाहीन था। सच तो यह है कि इस समूह का गठन ही हास-परिहास का परिणाम था। उसे खुद के एक राजनीतिक ताकत बन जाने का भ्रम इसलिए हो गया, क्योंकि इंटरनेट मीडिया पर उसके करोड़ों फालोअर्स हो गए थे। इस भ्रम ने ही एक दिशाहीन आंदोलन की नींव रखी। सीजेपी इसका उदाहरण है कि आनलाइन प्रसिद्धि धरातल पर कोई असर नहीं दिखाती। सीजेपी का धरना-प्रदर्शन न केवल मोदी सरकार के हर किस्म के विरोधियों और खासकर आंदोलनजीवियों का आसान मंच बन गया था, बल्कि हर कोई उसे अपनी तरह से भुनाने में लगा हुआ था। विपक्षी दलों ने भी उसके मंच का उपयोग बहती गंगा में हाथ धोने वाले अंदाज में ही किया। यह किसी से छिपा नहीं कि उसके मंच से किस तरह नीट पेपर लीक के साथ देश-दुनिया के अनगिनत मसलों को उठाया जा रहा था। सीजेपी का आयोजन विश्वसनीयता इसलिए नहीं हासिल कर पाया, क्योंकि इस समूह के जो कर्ता-धर्ता इसके लिए व्यग्र दिख रहे थे कि उनके साथ आ गए लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अपनी जान जोखिम में डालकर भी भूख हड़ताल जारी रखें, वे स्वयं अनशन करने और यहां तक कि धरना स्थल पर निरंतर उपस्थित रहने के लिए भी तैयार नहीं थे।

सीजेपी के संसद मार्च में भीड़ इसलिए जुट गई, क्योंकि उच्च न्यायालय के आदेश पर सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था, लेकिन यह भीड़ इसलिए पूरी तरह अनियंत्रित थी, क्योंकि कोई भी उसे दिशा देने वाला नहीं था। क्या यह विचित्र नहीं कि जब सीजेपी नेता अपना अनशन खत्म करने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करने की तैयारी कर रहे थे तो संसद मार्च में शामिल भीड़ संसद में घुसने की चेष्टा कर रही थी। आखिर इससे क्या हासिल होने वाला था? इस चेष्टा के बाद वह सब कुछ होना ही था, जो दिल्ली की सड़कों पर देखने को मिला।

इसे रोका जा सकता था, यदि सीजेपी नेता किसी सुविचारित रणनीति के तहत अपना धरना-प्रदर्शन कर रहे होते। उन्हें यह आभास होना चाहिए था कि उनका अपने समर्थकों पर कोई नियंत्रण नहीं। चूंकि संसद के प्रत्येक सत्र के पहले ऐसा कुछ होता है, जिससे विपक्ष को पहले ही दिन सदन में हंगामा करने का अवसर मिल जाता है, इसलिए सरकार को भी चाहिए था कि वह संसद मार्च के पहले ही सीजेपी के नेताओं से संवाद-संपर्क की पहल करती। आखिर जो बातचीत अब हुई, वह पहले क्यों नहीं हो सकती थी?

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से सुलगते सवाल और राजनीतिक निहितार्थ

> मजे की बात तो यह कि संसद के निकट पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जो पूर्व प्रायोजित झड़प हुई और उसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, इससे यह संसद मार्च राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बन गया।

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का संसद चलो आह्वान केवल एक विरोध मार्च नहीं बल्कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की एक राजनीतिक रणनीति है। खासकर जिस तरह से इस आंदोलन को छात्र आंदोलन का स्वरूप दिलवाया जा चुका है, वह डीप स्टेट के इशारे पर बनी विपक्ष की शातिर सरकार घेरो रणनीति का कमाल भी करार दिया जा रहा है। देखा जाए तो संसद के मानसून सत्र के दौरान गत 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च करने के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और कूच किया, वह बिल्कुल संगठित राजनीतिक आंदोलन के तर्ज पर हुआ।

बड़े बड़े न्यूज़ चैनल्स और अखबारों के दफ्तरों में इससे जुड़े कई नीतिगत सवालों पर भी बहस होने लगी। सोशल मीडिया पर जहां सरकार विरोधी भड़काऊ वीडियो वायरल होने लगे, वहीं सत्ताधारी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी आंदोलनकारियों की कारगुजारियों के वीडियो साझा कर दिए, जिससे लोगों की सहानुभूति पुलिस और सरकार के साथ बनी रही।

यदि संसद मार्च के घटनाक्रमों पर संतुलित नजर डालें तो यही प्रतीत होता है कि जब बड़ी संख्या में सीजेपी (CJP) समर्थक ₹संसद चलो₹ मार्च के लिए जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े तो भले ही उनकी मुख्य मांगें शिक्षा सुधार, परीक्षा-पत्र लीक और जवाबदेही था लेकिन इरादे तोड़फोड़ वाले और खतरनाक थे अन्यथा पुलिस को बल प्रयोग नहीं करना पड़ता। चूंकि संसद के मानसून सत्र के दौरान माननीयों की सुरक्षा के दृष्टिगत दिल्ली पुलिस ने व्यापक बैरिकेडिंग की थी, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को रोका, हिरासत में लिया तथा कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों द्वारा उपद्रव करने के बाद आंसू गैस और बल प्रयोग की घटनाएं सामने आईं। इससे अफरातफरी मच गई। देखा जाए तो इस आंदोलन की प्रमुख मांगों में नीट (NEET) पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही, कुछ नेताओं द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, आंदोलन से जुड़े लोगों के साथ संवाद आदि हैं लेकिन जो उत्पात दिखाई-सुनाई दिया, वह विपक्षी संस्कार नहीं तो क्या है? फिर भी, केंद्र सरकार ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की पहल भी की, जो टकराव के बीच संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने सरकारी प्रतिनिधि के तौर पर CJP प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और मांगपत्र ग्रहण किया। बावजूद इसके आंदोलनकारी अपनी मांगों पर कायम हैं।

सवाल है कि संसद मार्च के क्रम में जो कुछ गड़बड़ हुआ, क्या वह लोकतांत्रिक है, सही था या गलत? तो जवाब होगा कि युवाओं का शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा की निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ उठाना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। वहीं, सरकार द्वारा आंदोलनकारियों से बातचीत शुरू करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप कदम है। फिर भी संसद मार्च के दौरान आंदोलनकारियों की ओर से कुछ कुछ गलत हुआ जो अनुचित लगा। यदि प्रदर्शनकारियों ने निषिद्ध क्षेत्र में जबरन प्रवेश करने या बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, तो वह कानून-व्यवस्था की दृष्टि से उचित नहीं माना जाएगा।

वहीं, यदि पुलिस ने आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक कार्रवाई हुई तो उसकी भी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय होनी चाहिए। हालांकि, इस पर अलग-अलग पक्षों के अपने अपने दावे हैं और सभी तथ्यों के गोलमोल जवाब ही मिले हैं, जिन पर एतबार करना मुश्किल है क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, जिसका अंतिम सत्यापन अभी होना बाकी है, कई अनकही कहानियां गढ़ रहे हैं। इससे सरकार सांसत में है और विपक्ष तरह-तरह के आरोप लगाकर सिस्टम की मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक समाधान का सर्वोत्तम रास्ता संवाद और कानून के दायरे में रहकर समस्या का समाधान है।

भले ही किसी भी लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अपनी मांगें रखना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इस संसद मार्च के क्रम में देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल पर, जिस प्रकार की हिंसा, तोड़फोड़, सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना या सुरक्षा बलों से टकराव की जो प्रवृति दिखाई दी, वह विपक्षी दलों का परोक्ष कुचक्र नहीं तो क्या है? आखिर इस देशद्रोही प्रवृति को कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इसी प्रकार, यदि पुलिस बल का प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। सवाल है कि क्या स्थानीय जिलाधिकारी और डीसीपी के पास छात्र समूह को काबू में रखने की कोई स्पष्ट रणनीति नहीं थी? और यदि थी तो फिर इतना सबकुछ कैसे हुआ? वहीं कोई पुलिस कर्मी कैसे पिट गया और घायल हुआ? आखिर किसी दुकानदार को तोड़-फोड़ का सामना क्यों और कैसे करना पड़ा? जनपथ बाजार की सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे। वहीं, अनियंत्रित युवा भीड़ क्यों जुटने दी गई और उनको काबू में रखने के लिए व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किये गए थे?

कॉकरोच जनता पार्टी के ₹संसद चलो₹ आह्वान के राजनीतिक मायने केवल एक विरोध मार्च तक सीमित नहीं हैं बल्कि यह भारतीय राजनीति में युवाओं के असंतोष, डिजिटल आंदोलन और पारंपरिक दलों के प्रति अविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। हालांकि CJP स्वयं को व्यंग्यात्मक (satirical) आंदोलन बताता है लेकिन इसके मुद्दे गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाते हैं। यही वजह है कि राजनीतिक दृष्टि से इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं:- पहला, संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दबाव की राजनीति। दूसरा, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों के असंतोष को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास।

कमलेश पांडेय

साध्य के स्वरूप से साधन

साध्य के अनुकूल साधन होने से हमें साध्य की प्राप्ति हो सकती है। संकल्प के बिना कोई मुक़ाम कभी हासिल हो यह सम्भव नहीं हैं। वह बिन इच्छा शक्ति के ,योग्य होते हुए भी , आत्मा कभी परमात्मा नहीं बन सकती हैं । धर्म की मोटी-मोटी परिभाषा यह हैं कि समता हमारा धर्म हैं वह हमारा कर्म समतमाय हों। धार्मिक जगत में आत्मवाद व कर्मवाद का मुख्य स्थान होता है। हमारी आत्मा ही सुख व दुख की कर्ता होती हैं यह है आत्मवाद । मन है कि मानता ही नहीं। यहां विचारों का तांता सा लगा रहता है। विचार विधायक भी आते हैं और निषेधक भी आते हैं । वह विधायक चिंतन से शांति और आनंद मिलता हैं । निषेधक चिंतन से मन में विषाद का घेरा भर जाता हैं । अशांति अपना डेरा जमा लेती हैं । आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने सुझाया कि हरदम सजग रहें । वह ज्यों ही निषेधक भाव कदम बढ़ाये तुरंत श्वास प्रेक्षा करने लग जायें। ये विचार मेरे नहीं है ऐसी अनुप्रेक्षा करें। उस विचार को वहीं विराम दे दे ।शुभ चिंतन की ओर अविराम मुड़ जाएं । ईश्वर कर्तृत्ववाद व ईश्वर सुख-दुख देने वाले होते हैं, यह बात जैन दर्शन को मान्य नहीं हैं । यदि ईश्वर-कर्ता होता तो सबके साथ समान व्यवहार करता, किसी को सुखी किसी को दुखी नहीं बनाता, क्योंकि वह पक्षपाती नहीं होता । आत्मा परम-ईश्वरता प्राप्त है,इस दृष्टि से भी ईश्वर कर्ता नहीं होता हैं । सिद्ध हमारे ईश्वर हैं । वह अपने कर्मों के बल पर ही वे सिद्ध बने है, राग-द्वेष से मुक्त हुए है । उनका साध्य पवित्र हैं और साधन भी पवित्र हैं । चाहे जैन आगम हों, चाहे हो श्रीमद् भगवद्गीता, दोनों ही बताते हैं कि शरीर केवल साधन हैं तथा वह नश्वर है। आत्मा अजर-अमर हैं । वह जिसने भी इस मर्म को समझ लिया उसे फिर मृत्यु का क्या डर हैं । वह तब जीवन की हर समस्या छोटी लगने लगती हैं ।

प्रदीप छाजेड़

निजी क्षेत्र इसरो के ...

दुर्गेश्वर राय

इसरो वैज्ञानिकों का जाना संकट है या अंतरिक्ष क्रांति का नया सबेरा?

इस वर्ष के शुरुआती छह महीनों के भीतर ही इसरो के 110 से अधिक वैज्ञानिकों ने इस्तीफा दे दिया या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली। यह संख्या सामान्य वार्षिक औसत से तीन गुना अधिक है। चिंताजनक बात यह है कि इस्तीफा देने वालों में यू.आर. राव उपग्रह केंद्र (यू.आर.एस.सी.) और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वी.एस.एस.सी.) के 18 वरिष्ठ परियोजना निदेशक और मुख्य सिस्टम इंजीनियर शामिल हैं जो गगनयान और चंद्रयान-4 जैसे अति-संवेदनशील मिशनों की कमान संभाल रहे थे।

इस आकस्मिक स्थिति के तुरंत बाद 14 जुलाई 2026 को भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग ने एक आपातकालीन आंतरिक सर्कुलर जारी किया। इसके तहत ग्रुप ए के वैज्ञानिकों के इस्तीफे सीधे स्वीकार करने पर रोक लगा दी गई और अंतिम निर्णय का अधिकार इसरो केंद्र निदेशकों से छीनकर सीधे अंतरिक्ष विभाग को सौंप दिया गया।

अंतरिक्ष संगठन में इतने बड़े पैमाने पर हुए इस फेरबदल के केंद्र में भारत का तेजी से उभरता निजी स्पेस-टेक क्षेत्र है। वर्ष 2020 में अंतरिक्ष नीति में किए गए ऐतिहासिक सुधारों और इन-स्पेस के गठन के बाद भारतीय निजी एयरोस्पेस कंपनियों ने अपनी ताकत

बढ़ाई। वर्ष 2024 से 2026 के बीच भारतीय स्पेस स्टार्टअप्स में लगभग 800 मिलियन डॉलर का विदेशी और घरेलू निवेश आया। अग्निकुल कॉस्मॉस, स्काईरूट एयरोस्पेस, पिक्सल और बेलाट्रिक्स जैसी स्वदेशी कंपनियों को अपने रॉकेट और उपग्रहों के निर्माण के लिए तैयार और अनुभवी कार्यबल की सख्त जरूरत थी।

निजी क्षेत्र इसरो के वैज्ञानिकों को आकर्षित करने के लिए पैसा के साथ ही कई अन्य अवसर भी दे रहे हैं। सरकारी वेतन आयोगों की तय सीमाओं में बंधा इसरो अपने वैज्ञानिकों को एक सीमा से अधिक आर्थिक लाभ नहीं दे सकता। इसके विपरीत, निजी स्टार्टअप्स इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को 200 से 300 प्रतिशत तक अधिक वेतन वृद्धि, कंपनी में हिस्सेदारी और निर्णय लेने की पूर्ण स्वतंत्रता दे रहे हैं। इसके अलावा, कार्यसंस्कृति का अंतर भी एक प्रमुख वजह है। सरकारी प्रक्रियाओं, लालफीताशाही और लंबी औपचारिक अनुमतियों की तुलना में निजी कंपनियों में काम की रफ्तार बहुत तेज होती है। नई पीढ़ी के युवा वैज्ञानिक प्रशासनिक कागजी कार्रवाई में उलझने के बजाय लैब में काम करने और नए विचारों को तुरंत लागू करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इस स्थिति को केवल इसरो के नुकसान के रूप में देखना एक अधूरी तस्वीर होगी। वास्तव में, यह देश से प्रतिभा का पलायन नहीं है। यह प्रतिभा देश के भीतर ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रही है। इसे ब्रेन ड्रेन के स्थान पर ब्रेन सर्कुलेशन कहना अधिक तर्कसंगत होगा। इसरो में सालों तक निखरी यह वैज्ञानिक दक्षता अब भारत के ही निजी उद्योगों को मजबूत कर रही है। इससे देश के समग्र अंतरिक्ष इकोसिस्टम का विस्तार ही हो रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का एक सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू इसरो के पूर्व दिग्गजों की रिवर्स भूमिका है। जिस तरह 1970 के दशक में विक्रम साराभाई ने इसरो की नींव रखी थी, ठीक उसी तर्ज पर आज इसरो के सेवानिवृत्त शीर्ष अधिकारी निजी अंतरिक्ष कंपनियों के संस्थापकों, बोर्ड सलाहकारों और मुख्य रणनीतिकारों की भूमिका निभा रहे हैं। जब इसरो के पूर्व निदेशक या वरिष्ठ अधिकारी किसी स्टार्टअप की कमान संभालते हैं तो वे इसरो के भीतर की कार्यसंस्कृति, तकनीकी जटिलताओं और प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों की क्षमताओं से भली-भांति परिचित होते हैं। नतीजतन, वे इसरो के सबसे योग्य और दक्ष वैज्ञानिकों की सटीक पहचान कर उन्हें अपनी नई परियोजनाओं के लिए आकर्षित करने में सफल हो रहे हैं।

लेकिन इसके सिक्के का दूसरा पहलू भी है। गगनयान जैसे मानव अंतरिक्ष मिशन और चंद्रयान-4 जैसी रणनीतिक परियोजनाओं के बीच में यदि कोई मुख्य परियोजना निदेशक हटता है, तो मिशन की गति धीमी पड़ना स्वाभाविक है। वर्षों का संचित अनुभव और संस्थागत ज्ञान रातों-रात नए व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। इससे अभियानों की समय-सीमा प्रभावित होने का गंभीर जोखिम उत्पन्न हो जाता है।

प्रतापगढ़ में बायोफ्लॉक तकनीक से नीली क्रांति को मिली रफ्तार

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र को एक अग्रणी स्तंभ के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों, आधुनिक तकनीकों के समावेशन और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य का मत्स्य क्षेत्र नीली क्रांति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। राज्य सरकार द्वारा मत्स्य विकास को विशेष प्राथमिकता देते हुए 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' एवं 'मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना' का धरातल पर सफल संचालन किया जा रहा है। इन दूरगामी योजनाओं के माध्यम से न केवल राज्य में मछली उत्पादन में अभूतपूर्व और रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका और स्वरोजगार के नए-नए साधन भी निरंतर सृजित हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का मुख्य ध्येय गांवों से होने वाले पलायन की समस्या पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार देने वाला बनाना है। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए राज्य भर में चलाए जा रहे अभियानों और कार्यक्रमों ने ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग दिखाया है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में चलाए जा रहे व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों, पारदर्शी प्रक्रियाओं तथा ऑनलाइन आवेदन प्रणालियों से एक सुदृढ़ व्यवस्था स्थापित की गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद, पात्र और इच्छुक युवाओं तक योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ पहुँच रहा है। इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ के विकास खंड सण्डवा चंद्रिका स्थित ग्राम कटका मानापुर के निवासी रणंजय सिंह ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर क्षेत्र के अन्य युवाओं तथा किसानों के सामने एक उत्कृष्ट उदाहरण और प्रेरणा प्रस्तुत की है। पूर्व में पारंपरिक खेती-किसानी पर निर्भर रहने के कारण सीमित कृषि भूमि और निरंतर बढ़ती कृषि लागत के चलते उन्हें अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिल पा रहा था। पारंपरिक खेती से परिवार का भरण-पोषण तो हो जाता था, लेकिन आर्थिक प्रगति की गति अत्यंत धीमी थी। ऐसे समय में समाचार पत्रों, विभागीय प्रचार माध्यमों तथा विज्ञप्तियों के जरिए उन्हें मत्स्य पालन और विशेष रूप से बायोफ्लॉक तकनीक की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागीय योजनाओं के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से प्रेरित होकर उन्होंने आधुनिक मत्स्य पालन को अपनाने का निश्चय किया। इसके उपरांत उन्होंने अपनी लगभग 0.10 हेक्टेयर निजी भूमि पर आधुनिक बायोफ्लॉक प्रणाली के तहत मत्स्य पालन इकाई की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया। इस इकाई में पंगेशियस प्रजाति की मछलियों के पालन हेतु विभागीय स्वीकृति मिलने के उपरांत उन्होंने निजी बोरिंग, विद्युत संयोजन और सुरक्षित भंडारण जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का विकास किया। कम पानी और सीमित भूमि में अधिक उत्पादन देने वाली यह पर्यावरण-अनुकूल प्रणाली उनके लिए अत्यंत लाभदायक और प्रभावकारी साबित हुई।

चरणबद्ध तरीके से मत्स्य बीज का संचयन, वैज्ञानिक जल प्रबंधन और आहार नियंत्रण अपनाते हुए उनकी इस इकाई से औसतन 1.40 टन प्रति वर्ष मछली का उत्पादन प्राप्त होने लगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह पहल अत्यंत सफल और प्रेरणादायक सिद्ध हुई है। वर्तमान में उनकी इकाई पर लगभग 7 लाख रुपये की वार्षिक लागत आती है, जबकि उत्पादित मछली की बिक्री से प्रतिवर्ष लगभग 18 लाख रुपये तक की सकल आय अर्जित हो रही है।

जरा हटके

प्रदेश सरकार ने ...

अभिषेक सिंह

प्रदेश के विकास की मजबूत नींव में बेहतर सड़कें और पुल दे रहे हैं गति

किसी भी राज्य या राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति उसकी सड़क एवं परिवहन व्यवस्था पर निर्भर करती है। सड़कें केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे विकास, निवेश, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि की आधारशिला होती हैं। जब किसी प्रदेश की सड़कें बेहतर होती हैं, तो किसान अपनी उपज समय पर मंडियों तक पहुँचा पाते हैं, उद्योगों को कच्चा माल और तैयार उत्पाद के परिवहन में सुविधा मिलती है, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक पहुँच आसान होती है तथा मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो पाती हैं।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और सर्वाधिक आबादी वाले राज्य में मजबूत सड़क नेटवर्क का महत्व और भी बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने आधारभूत संरचना के विकास को नई दिशा और नई गति प्रदान की है। वर्ष 2012 से 2017 तथा वर्ष 2017 के बाद की अवधि के तुलनात्मक आँकड़े इस परिवर्तन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। ये आँकड़े केवल निर्माण कार्यों की संख्या नहीं दर्शाते, बल्कि बदलती कार्यसंस्कृति, बेहतर योजना, प्रभावी निगरानी और परिणामोन्मुखी प्रशासन का भी प्रमाण हैं।

प्रदेश सरकार ने सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण को विकास की प्राथमिकता बनाया। इसी सोच का परिणाम है कि जहाँ 01 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2017 के बीच पाँच वर्षों में कुल 31,868 किलोमीटर सड़कों का

चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं नवनिर्माण किया गया था, वहीं 01 अप्रैल 2017 के बाद यह उपलब्धि बढ़कर 66,838 किलोमीटर तक पहुँच गई। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों को नई गति और व्यापक विस्तार मिला है।

वर्तमान समय में विभाग औसतन 20 किलोमीटर प्रतिदिन की गति से सड़कों का नवनिर्माण और चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य कर रहा है। यह केवल गति का संकेत नहीं, बल्कि बेहतर परियोजना प्रबंधन, समयबद्ध क्रियान्वयन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग का परिचायक भी है। इस व्यापक सड़क विकास का सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को मिला है। जिन गाँवों तक पहले पहुँचने में घंटों लग जाते थे, वहाँ अब बेहतर सड़क संपर्क के कारण आवागमन सुगम हुआ है। इससे कृषि उत्पादों के परिवहन की लागत कम हुई है, ग्रामीण बाजारों का विस्तार हुआ है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुँच बनने से पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

सड़क निर्माण के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। किसी भी सड़क का निर्माण जितना महत्वपूर्ण होता है, उसका समय-समय पर नवीनीकरण और रखरखाव उतना ही आवश्यक होता है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2012-2017 के दौरान 35,843 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया गया था, जबकि वर्ष 2017 के बाद यह आँकड़ा बढ़कर 2,93,082 किलोमीटर तक पहुँच गया। यह लगभग 650 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है।

वार्षिक औसत में भी उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिलता है। पहले जहाँ प्रतिवर्ष औसतन 7,168 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण किया जाता था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 31,413 किलोमीटर प्रतिवर्ष हो गया है। प्रदेश सरकार द्वारा बनाये जा रहे सड़क रखरखाव की गति पहले की तुलना में चार गुना से अधिक हो चुकी है। बेहतर सड़कें दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ-साथ वाहनों की ईंधन खपत घटाने, यात्रा समय कम करने तथा परिवहन लागत में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इन सड़कों का सीधा प्रभाव स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन पर भी दिखाई देता है। आज एम्बुलेंस सेवाएँ, पुलिस, अग्निशमन दल और अन्य आपातकालीन सेवाएँ पहले की अपेक्षा कहीं अधिक तेजी से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच पा रही हैं। इससे न केवल लोगों की सुरक्षा बढ़ी है बल्कि अनेक परिस्थितियों में समय पर सहायता मिलने से जीवन भी बचाए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में नदियाँ, नाले और जलधाराएँ हैं, जो अनेक स्थानों पर आवागमन में बाधा बनती रही हैं। ऐसे में पुलों का निर्माण केवल परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक एकीकरण का माध्यम भी है। पुल बनने से दो क्षेत्रों के बीच की दूरी कम होती है, व्यापारिक गतिविधियाँ तेज होती हैं और लोगों का समय तथा संसाधन दोनों बचते हैं। वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 591 पुलों का निर्माण किया गया था। वहीं वर्ष 2017 के बाद दीर्घ, लघु एवं उपरिगामी निर्मित पुलो की संख्या लगभग दो हजार हो गई है। पुल निर्माण में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई। वार्षिक औसत भी 118 पुल प्रति वर्ष से बढ़कर लगभग 211 पुल प्रति वर्ष हो गया। इससे अनेक ऐसे क्षेत्र, जो पहले बरसात के मौसम में कट जाते थे, अब पूरे वर्ष निर्बाध रूप से जुड़े रहते हैं। बेहतर सड़क और पुल नेटवर्क का सकारात्मक प्रभाव प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। परिवहन की लागत कम होने से उद्योगों और व्यापार को गति मिली है। कृषि उत्पाद तेजी से बाजार तक पहुँच रहे हैं, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की संभावनाएँ बढ़ी हैं।

आरोपी बोला- वर्चस्व के लिए मार डाला, घरवालों ने कहा- आरोपी का एनकाउंटर हो

युवक की पीटकर हत्या, एक गिरफ्तार

कार्यवाई

- तनाव को देखते हुए गांव के बाहर और अंदर पुलिस बल तैनात किया गया है।
- आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करते हुए विशाल के घरवालों ने गंगा बैराज पर जाम लगा दिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर वर्चस्व को लेकर विशाल की पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। नवाबगंज पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की। उसने बताया कि नशेबाजी के दौरान मामूली कहासुनी हो गई थी। विवाद बढ़ा तो मारपीट शुरू हो गई। जागेश्वर पुलिस बूथ के पास मैंने अपने साथियों के साथ मिलकर विशाल को लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और ईंट से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस अब अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। वहीं, गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात है। मंगलवार को दोपहर करीब 3.30 बजे परिवार के लोगों ने गंगा बैराज पर जाम लगा दिया। घरवालों ने कहा कि आरोपियों का एनकाउंटर होना चाहिए। तभी हमें न्याय मिलेगा। करीब 30 मिनट बाद पुलिस अधिकारियों के कार्रवाई के आश्वासन के बाद घरवाले मान गए और जाम खोल दिया। इस दौरान दो कारें आपस में टकरा गईं। नवाबगंज पुलिस ने सोमवार को आरोपी गोविंद को अरेस्ट कर लिया। जबकि अन्य की तलाश में पुलिस की टीमें ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। तनाव को देखते हुए विशाल के गांव भोपालपुरवा और हत्यारोपियों के गांव बनियापुरवा में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। गोविंद ने पूछताछ में बताया कि विशाल निषाद और हम लोग दोस्त थे।

शराब पीने के दौरान झगड़ा हुआ, फिर हत्या कर दी

जागेश्वर पुलिस बूथ के पास विशाल फास्टफूड खाने की बात कहकर उतर गया। जबकि पुनीत और राहुल सिलेंडर लेकर घर चले गए। यहां पर विशाल और दूसरे पक्ष से विशाल उर्फ विशल्ली समेत अन्य लोग शराब पी रहे थे। हम लोगों में कहासुनी हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी।

इस दौरान विशाल उर्फ विशल्ली, उसके भाई आकाश, बनियापुरवा के ही सगे भाई शनि और रवि, गोविंद, आशीष और साहिल समेत दो से तीन अज्ञात लोगों ने विशाल निषाद पर लाठी-डंडा से हमला कर दिया।

बवाल की आशंका पर भारी पुलिस फोर्स तैनात

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के गांव भोपालपुरवा और हत्यारोपियों के गांव बनियापुरवा के बीच तनाव को देखते हुए भारी फोर्स तैनात है। पोस्टमार्टम के बाद घरवालों को शव सौंप दिया गया। गंगा बैराज पर उन्होंने जाम लगाया था। पुलिस ने कहा कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। इस आश्वासन पर घरवाले मान गए। वह डेडबॉडी को अंतिम संस्कार के लिए ले गए हैं। नवाबगंज पुलिस ने एक हत्यारोपी को अरेस्ट कर लिया है। जल्द ही अन्य हत्यारोपियों को भी अरेस्ट करके जेल भेजा जाएगा।

बैराज पर शव रखकर जाम लगाने की कोशिश, पुलिस ने हटाया

गंगा बैराज कटरी क्षेत्र के भोपालपुरवा में रहने वाले विशाल निषाद (34) सोमवार शाम को बनियापुरवा जागेश्वर पुलिस बूथ के पास पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने विशाल के पिता भोपालपुरवा निवासी सुरेश की तहरीर पर मुख्य हत्यारोपी बनियापुरवा निवासी विशाल उर्फ विशल्ली, उसके भाई आकाश, बनियापुरवा के ही सगे भाई शनि और रवि, गोविंद, आशीष और साहित समेत दो से तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

महिला बास्केटबॉल व हैंडबॉल टीम चयन ट्रायल 23 जुलाई को

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में 27 से 29 जुलाई 2026 तक अयोध्या में आयोजित होने वाली प्रदेशीय महिला बास्केटबॉल एवं हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल 23 जुलाई को आयोजित किए जाएंगे। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि महिला वर्ग के जिला स्तरीय चयन ट्रायल 23 जुलाई को अपराह्न 3 बजे स्वर्गीय मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा स्थित जिला खेल कार्यालय में होंगे। चयनित खिलाड़ियों का मंडलीय ट्रायल 24 जुलाई को सुबह 11 बजे आगरा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयन ट्रायल में वही महिला खिलाड़ी भाग ले सकेंगी, जिनकी आयु 31 दिसंबर 2026 तक 25 वर्ष से अधिक न हो। ट्रायल में भाग लेने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं रखा गया है।

इच्छुक महिला खिलाड़ियों से अपील की गई है कि वे 23 जुलाई को अपराह्न 3 बजे अपने आधार कार्ड के साथ जिला खेल कार्यालय, मथुरा में उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लें।

फास्ट न्यूज

10 दिन से पीओएस मशीन बंद

अलीगढ़। अलीगढ़ के अतरौली क्षेत्र के खाद वितरण केंद्रों पर पिछले 10 दिनों से पीओएस (POS) मशीनें बंद पड़ी हैं, जिससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है। तकनीकी खराबी और सर्वर की समस्या के कारण खाद का वितरण पूरे दिन ठप रहा। बारिश में भीगकर पहुंचे किसानों को घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ा। यह समस्या पिछले सोमवार से बनी हुई है, जिसके चलते धान और अन्य फसलों की बुवाई–रोपाई प्रभावित हो रही है।

सामूहिक विवाह में 532 जोड़ों का विवाह संपन्न

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में सामूहिक विवाह में दूल्हा–दुल्हान को खराब क्वालिटी के सामान बांटे जाने के आरोप लगे हैं। सदर भाजपा विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने इन आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मंगलवार को समारोह फरीदीपुर स्थित एक निजी संस्थान में आयोजित किया गया था। दोपहर 2 बजे कुल 539 जोड़ों में से 532 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, जिनमें 7 मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी शामिल था। विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुए और नवदंप–तियों को सरकार द्वारा निर्धारित दान–दहेज भी प्रदान किया गया।

हैदराबाद नगर पंचायत में भ्रष्टाचार का आरोप

उन्नाव। नगर पंचायत हैदराबाद में कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। मंगलवार को सभासदों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कान्हा गौशाला, पेयजल परियोजनाओं और अन्य विकास कार्यों में धांधली का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की। ज्ञापन में सभासदों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत की कान्हा गौशाला में गौवंशों की देखभाल में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है।

भूमि एवं जल संरक्षण योजनाओं की समीक्षा

जिलाधिकारी ने दिए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति तथा जिला मिशन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि एवं जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, मृदा संरक्षण और कृषि विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक किसानों तक उनका लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भूमि की उर्वरता बढ़ाने, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

कई महत्वपूर्ण योजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में राजकीय कृषि प्रक्षेत्र उसर सुधार योजना, वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास योजना, पंडित दीनदयाल किसान समृद्धि योजना, खेत तालाब योजना तथा जलागम विकास घटक पीएमकेएसवाई-2.0 सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। भूमि संरक्षण अधिकारी सोनू मंगल ने योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करते हुए उनके क्रियान्वयन की स्थिति, अब तक की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना से समिति को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भूमि की उर्वरता बढ़ाने, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

वर्षा जल संचयन और मृदा संरक्षण पर विशेष जोर

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वर्षा जल संचयन और मृदा संरक्षण के कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि भूजल स्तर में सुधार हो और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

समयसीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को तय समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिल सके और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि विकास को गति मिले।

धक्का-मुक्की कर बैरिकेडिंग तोड़ी, अमेरिका से ट्रेड डील का विरोध करने दिल्ली जा रहे थे

पुलिस से भिड़े किसान

- दिल्ली जा रहे किसानों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया।
- पुलिस ने किसानों को बस में भरकर गाजीपुर बॉर्डर से दूर भेज दिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे किसान दिल्ली की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। किसान आगे बढ़ने की जिद पर अड़ गए और बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करने लगे। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। 20 मिनट तक मौके पर गहमा-गहमी का माहौल रहा। बाद में अधिकारियों ने किसानों को शांत कराया। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में देशभर के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट तक कूच का ऐलान किया था। इसी प्रदर्शन में शामिल होने यूपी के किसान भी दिल्ली जा रहे थे। इसे देखते हुए दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस किसानों को आगे बढ़ने नहीं दे रही है। यूपी गेट और अलग-अलग स्थानों पर पुलिस के 700 जवान तैनात किए गए हैं। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए एक एसीपी, 3 इंस्पेक्टर और एक एडिशनल डीसीपी को अलग से जिम्मेदारी दी गई है।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर/ट्रैफिक राज करन नैयर ने बताया- दिल्ली से सटे यूपी गेट और लोनी समेत 6 बॉर्डर हैं। सभी पॉ-इंट पर अलग-अलग पुलिस फोर्स तैनात की गई है। यातायात व्यवस्था बाधित न हो, इसलिए यातायात को सुचारु तरह से चलाया जा रहा है। जो किसान आए थे, उन्हें भी समझा-बुझाकर कुछ देर बाद वापस गाड़ियों से भेज दिया गया।

मुड़िया पूनों मेला-2026 : पुलिसकर्मियों को भीड़ प्रबंधन व प्राथमिक चिकित्सा का दिया प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। आगामी राजकीय मुड़िया पूनों मेला-2026 के सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर सोमवार को गोवर्धन स्थित राधेश्याम सेवा सदन में मेला ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को भीड़ प्रबंधन, मानवीय संवेदनाओं तथा प्राथमिक चिकित्सा के प्रति प्रशिक्षित करना था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पुलिस-कर्मियों को निर्देश दिए कि भीड़ प्रबंधन के दौरान संयम और संवेद-नशीलता बनाए रखें तथा श्रद्धालुओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि भीड़ को केवल नियंत्रित करने के बजाय उसका सुव्यवस्थित संचालन (रेगुलेशन) अधिक महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में समाजशास्त्री डॉ. मधु त्यागी ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग श्रद्धालुओं के प्रति विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मनोवैज्ञानिक डॉ. पूनम तिवारी ने भीड़ के मनोविज्ञान की जानकारी देते हुए पुलिसकर्मियों को विषम परिस्थितियों में धैर्य और सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी। चिकित्सक डॉ. नेहा चौधरी ने प्राथमिक चिकित्सा के आवश्यक उपायों की जानकारी दी, जबकि डॉ. अमित कश्यप ने सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) की सैद्धांतिक जानकारी देने के साथ उसका लाइव प्रदर्शन भी किया, जिससे पुलिसकर्मियों को आपात-कालीन स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने का प्रशिक्षण मिल सके प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मुड़िया पूनों मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाना रहा, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

मेट्रो निर्माण और बारिश से धंसी इंटरलॉकिंग, मरम्मत कराने की उठाई मांग

हार्मोनी अपार्टमेंट संचालक ने नगर निगम-मेट्रो को ठहराया जिम्मेदार

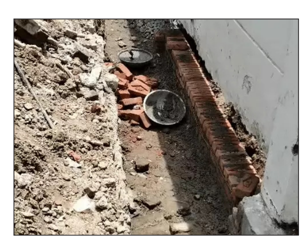

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के नवीन नगर में हार्मोनी डीलक्स अपार्टमेंट के संचालक भरत भाटिया ने अपार्टमेंट की दीवार धंसने के मामले में अब नगर निगम और मेट्रो परियोजना पर सवाल उठाए हैं। हार्मोनी डीलक्स अपार्टमेंट के भरत भाटिया ने नगर निगम को पत्र भेजकर क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट के बाहर मुख्य नाली और फुटपाथ की इंटरलॉकिंग धंसने को दुरुस्त कराने की मांग की है। भरत भाटिया का कहना है कि लगातार हो रही बारिश और क्षेत्र में चल रहे मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों के कारण अपार्टमेंट के बाहर नगर निगम की मुख्य नाली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। उनका आरोप है कि नाली का पानी रिसकर अपार्टमेंट परिसर के अंदर आ रहा है। रिसाव से अपार्टमेंट के अंदर की पीसीसी के नीचे की मिट्टी बैठ गई और वह हिस्सा धंस गया। जब तक बाहर से पानी का रिसाव बंद नहीं होगा अंदर जलभराव की स्थिति रहेगी।

दरअसल, बिल्डर अशोक मेहरा ने आठ साल पहले हार्मोनी अपार्टमेंट बनवाया था, इसमें 16 फ्लैट हैं। कानपुर में 2 जुलाई की देर रात भीषण बारिश होने के चलते 3 जुलाई की सुबह इस अपार्टमेंट का बेसमेंट धंसने से एक फ्लैट की दीवार भरभ-राकर गिर गई थी। जानकारी मिलने के बाद केडीए के अफसर मौके पर जांच करने पहुंचे थे। बिल्डिंग धंसने की आशंका के चलते वहां पर रहने वाले 13 फ्लैट खाली कराकर केडीए ने बिल्डिंग को सील कर नोटिस चस्पा कर दिया था।

एचबीटीयू की नहीं आई जांच रिपोर्ट

एचबीटीयू की टीम जांच कर रही है, लेकिन अभी तक केडीए और एचबीटीयू की जांच रिपोर्ट नहीं आई है। वहीं बिल्डर ने सील हटाकर और नोटिस फाड़कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया था। इसकी जानकारी होने पर केडीए ने दोबारा अपार्टमेंट को सील कराकर काकादेव थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

नगर निगम और मेट्रो को ठहराया जिम्मेदार

पत्र में उन्होंने कहा है कि बाहरी नाली का टूटना और फुटपाथ धंसना मेट्रो के कार्यों के प्रभाव और भारी बारिश के कारण हुआ है। नाली क्षतिग्रस्त होने से बारिश का पानी सही तरीके से निकासी नहीं कर पा रहा है। इससे अपार्टमेंट के आसपास जलभराव की आशंका बढ़ गई है। अगर जल्द मरम्मत नहीं कराई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है और अपार्टमेंट की सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। उन्होंने नगर निगम से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त मुख्य नाली की मरम्मत कराई जाए और धंसी हुई इंटरलॉकिंग को भी ठीक कराया जाए।

अवगत : दो हजार की आबादी मूलभूत सुविधाओं से वंचित, बरसात में गांव का संपर्क हो जाता है बाधित

बदहाल सड़क और बिजली संकट से जूझ रहा अगंलाकोल गांव

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। जिले के कूरेभार ब्लॉक अंतर्गत अगंलाकोल ग्राम सभा के ग्रामीणों ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गांव की जर्जर सड़क, बिजली आपूर्ति और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि करीब दो हजार की आबादी वाला गांव लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन कर रहा है। बरसात के दिनों में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं, जिससे लोगों का आवागमन बाधित हो जाता है और आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आने-जाने का एक प्रमुख रास्ता अब भी कच्चा है, जबकि रेलवे लाइन के नीचे बना पक्का मार्ग बंद हो चुका है। ऐसे में हाईवे बाईपास से गांव को जोड़ने वाला कच्चा रास्ता ही एकमात्र सहारा है। बारिश के दौरान इस मार्ग पर जलभराव और तेज बहाव के कारण रास्ता कई बार पूरी तरह बंद हो जाता है। गांव के लोगों ने बताया कि कच्चे रास्ते पर कीचड़ और जलभराव होने से रोजाना दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। फिसलकर गिरने से कई लोग घायल हो चुके हैं।

> ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण चार पहिया वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते। सबसे अधिक परेशानी तब होती है जब किसी मरीज या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना होता है। कई बार एम्बुलेंस गांव के बाहर ही रुक जाती है और मरीजों को पैदल या अन्य साधनों से बाहर तक लाना पड़ता है।

24 घंटे से घटकर 4-5 घंटे रह गई बिजली

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति की समस्या भी प्रमुखता से उठाई। उनका कहना है कि पहले गांव में लगभग 24 घंटे बिजली मिलती थी, लेकिन पिछले करीब एक वर्ष से बिजली आपूर्ति घटकर केवल 4 से 5 घंटे प्रतिदिन रह गई है। अनियमित बिजली के कारण घरेलू कार्यों के साथ-साथ विद्यार्थियों की पढ़ाई और किसानों की गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

चीनी मिल के कारण बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

ग्रामीणों ने बताया कि गांव के पास स्थित चीनी मिल के कारण क्षेत्र में मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। मच्छरों के प्रकोप से बच्चों और बुजुर्गों में विभिन्न बीमारियां फैल रही हैं।

कई बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

खेत में लगी झटका मशीन की चपेट में आया किशोर

इलाज के दौरान तोड़ा दम, साइकिल से फिसलकर खेत में गिरा था

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर के लंभुआ कोतवाली क्षेत्र में खेत में लगी झटका मशीन के करंट की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गई। हादसा मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे सबसुखपुर (पटखौली) गांव में हुआ। परिजन घायल किशोर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हीरालाल पाठक के बेटे अंश (14) पाठक के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, अंश साइकिल से दुकान से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में उसकी साइकिल अनियंत्रित होकर खेत में जा गिरी। इसी दौरान वह खेत में लगी झटका मशीन की चपेट में आ गया और करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया मृतक के रिश्तेदार विकास तिवारी ने बताया कि बारिश के कारण साइकिल फिसल गई और अंश खेत में जा गिरा। वहां खुले बिजली के तार की चपेट में आने से उसकी हालत गंभीर हो गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने के बाद 108 एंबुलेंस और कागजी औपचारि-कताओं के चलते उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा, जिससे इलाज में देरी हुई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

सीधे बिजली का कनेक्शन देने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि खेत में लगी झटका मशीन में बैटरी की बजाय सीधे बिजली की सप्लाई दी गई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। उनका कहना है कि झटका मशीन की बैटरी चोरी होने के बाद खेत मालिक ने कथित रूप से सीधे बिजली के तार जोड़ दिए थे। परिजनों ने स्थानीय निवासी करुणा शंकर पाठक पर अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन लगाने का आरोप लगाया है।

बर्थडे बॉय ने माता-पिता को पीट-पीटकर मार डाला

गाजियाबाद में भाई के साथ की वारदात, डांटने पर भड़के, हथौड़े से सिर कूचा

वारदात

विमलेश मृतक
गंगाशरण मृतक

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में 2 बेटों ने मां और पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सोमवार रात 11 बजे बर्थडे पार्टी से लौटने के बाद दोनों बेटे झगड़ा कर रहे थे। माता-पिता ने उन्हें डांट लगाई तो भड़क गए। गुस्से में माता-पिता को लात-घूसों से पीटकर अधमरा कर दिया। फिर हथौड़े से सिर कूच दिया।

चीख-पुकार सुनकर किराएदार ने पुलिस बुला ली। पुलिस ने दोनों बेटों को हिरासत में ले लिया। माता-पिता को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की है।

आरोपियों के मामा ने बताया- सोमवार को बड़े भांजे का जन्मदिन था। दिन में परिवार ने उसका जन्मदिन मनाया। रात में उसने छोटे भाई के साथ मिलकर अपने मां-बाप को मार डाला। किराएदार ने देर रात डायल-112 पर फोन किया। उन्होंने बताया- मकान मालिक के घर में मारपीट हो रही है। दोनों बेटे चिल्ला रहे हैं। माता-पिता के रोने की आवाजें आ रही हैं। डायल-112 ने इसकी सूचना थाने को दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि गंगाशरण और विमलेश जमीन पर पड़े थे। सिर और हाथ पर चोटें थीं। खून बह रहा था। दोनों बेटे उनके पास ही खड़े थे। माता-पिता की हत्या की खबर सुनकर दोनों बेटियां घर पहुंचीं। उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

माता-पिता की हत्या की खबर सुनकर दोनों बेटियां घर पहुंचीं। उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उन्होंने

डेयरी चलाते थे, दो मंजिला मकान में रहते थे

पुलिस के मुताबिक, गंगाशरण (55) मूलरूप से बुलंदशहर में बीबीनगर के सठला गांव के रहने वाले थे। 20 साल से भीमनगर मोहल्ले के 2 मंजिला मकान में रहते थे। परिवार में पत्नी विमलेश (50) के अलावा 4 बच्चे- दो बेटे और दो बेटियां हैं। चारों की शादी हो चुकी है। डेयरी चलाकर परिवार का गुजारा करते थे। गंगाशरण ने पहली मंजिल किराए पर दे रखी थी। पत्नी, ललित (27) और दीपक (25) के साथ ग्राउंड फ्लोर पर रहते थे। ललित और दीपक शराब के आदी थे। कोई काम-धंधा नहीं करते थे।

- पुलिस ने वारदात वाली जगह को सील कर दिया है। सबूत जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।
- गंगाशरण और विमलेश की हत्या की सूचना मिलने के बाद घर के बाहर भीड़ जमा हो गई।

दीदी-जीजा की मौत की खबर सुनकर आए लेखराज ने बताया- मैं मूलरूप से अलीगढ़ का रहने वाला हूं। गाजियाबाद के विजय नगर में परिवार के साथ रहता हूं। सोमवार को दिन में दीदी ने बड़े बेटे के लिए कीर्तन कराया था। उसके बाद दोनों लड़के शाम को अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने चले गए। वापस आए तो बवाल मचा दिया।

बताया- रात 12 बजे पुलिस ने सूचना दी। मैं पहुंचा तो दीदी-जीजा की हालत देखकर सन्न रह गया। शवों को देखकर ऐसा लग रहा था कि उनके सिर को फर्श पर पटका गया था।

शराब पीकर घर आए तो मां-बाप ने डांट लगाई

ललित ने पुलिस पूछताछ में बताया कि दीपक के साथ शराब पीने बाहर गया था। पैसों को लेकर हमारा झगड़ा हो गया। इस वजह से घर लौटने में देर हो गई। घर आकर भी हमारे बीच बहस होती रही। शोर-शराबा सुनकर मां कमरे से बाहर आई और हमें डांटने लगी। आवाज सुनकर पिता भी आ गए। उन्होंने भी हम दोनों को खरी-खोटी सुनाना शुरू कर दिया।

गोवर्धन पुलिस ने बाइक चोर को चोरी की मोटरसाइकिल सहित दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना गोवर्धन पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे मथुरा-गोवर्धन रोड स्थित अडींग बाईपास पर चेकिंग के दौरान रमन पुत्र सतेंद्र सिंह निवासी अमखेड़ा जलालपुर, थाना करेली, जनपद पीलीभीत (22 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से चोरी की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या UP 85 CP 3420) बरामद हुई। पूछताछ एवं जांच के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना गोवर्धन में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्र के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल विजय सिंह तथा कांस्टेबल अमित कुमार की टीम ने अंजाम दिया।

फास्ट न्यूज

मुरादाबाद में केजीके कॉलेज की छत से टपक रहा पानी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के केजीके कॉलेज की जर्जर इमारतें बरसात में छात्रों और शिक्षकों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। करीब 5 हजार छात्रों वाले इस कॉलेज में कई विभागों की छतों से पानी टपक रहा है। दीवारों में सीलन आ गई है और जगह-जगह प्लास्टर उखड़ रहा है। लगातार बारिश के बाद सोमवार को भूगोल और मनोविज्ञान विभाग की गैलरी में पूरे दिन पानी भरा रहा।

आगरा कोर्ट में आज एक्ट्रेस कंगना केस में बहस

आगरा। आगरा की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में आज भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ किसान आंदोलन और महात्मा गांधी पर कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर दायर मामले में अहम सुनवाई होगी। पिछली तारीख पर कंगना की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई थी, जिसमें अदालत से तत्काल आदेश पारित नहीं करने और बचाव पक्ष को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त अवसर देने की मांग की गई थी। आज कोर्ट रिवीजन याचिका में सुनवाई करेगी। आगरा के ही अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने वर्ष 2024 में कंगना रनौत के खिलाफ परिवाद दायर किया था।

बारिश के बीच अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

आगरा। आगरा नगर निगम ने सोमवार को शहर के अत्यधिक व्यस्त एसएन मेडिकल कॉलेज इमरजेंसी से मोती कटरा रोड तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। बारिश के बीच अभियान के दौरान सड़क की दोनों ओर लगे दर्जनों ठेल-धकेल, अस्थायी खोखे तथा दुकानों के आगे अवैध रूप से लगाए गए काउंटर हटवाए गए। कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम ने अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा सड़क घेरने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

मेरठ में 2000 से अधिक किसानों ने कलेक्ट्रेट घेरा

बोले- जब तक डीएम नहीं आएंगे तब तक धरना जारी रहेगा, 6 घंटे बाद ज्ञापन लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में अपनी लंबित मांगों को लेकर किसानों ने कलेक्ट्रेट में 6 घंटे तक प्रदर्शन किया। डीएम ने किसानों से बात की। डीएम के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया गया। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एडीएम सिटी ब्रजेश सिंह को ज्ञापन दिया। किसान नेताओं ने कहा कि अब 1 सितंबर को कमिश्नरी पर संगठन द्वारा महापंचायत की जाएगी। जिसमें अफसरों से पूछा जाएगा कि किसानों की कितनी मांगों पर अमल हुआ। इससे पहले मंगलवार सुबह करीब सवा 11 बजे करीब 2000 किसान अभी कमिश्नर आफिस के बाहर पहुंच गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए कमिश्नर ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगवा दिया। करीब साढ़े 12 बजे भाकियू टिकैत संगठन के जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने धरने के दौरान प्रशासन को चेतावनी दी। कहा- तानाशाह अधिकारियों के लिए खुली चेतावनी है। हम यहां 2 घंटे से धरने पर हैं और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर 10 मिनट में कमिश्नर ने ज्ञापन स्वीकार नहीं किया। नहीं तो किसके गेट टूटेंगे और क्या होगा नहीं पता। हालांकि थोड़ी देर में ही कमिश्नर के प्रतिनिधि पहुंचे और किसानों ने उन्हें ज्ञापन सौंप दिया। इसके बाद वहां से 500 मीटर दूर हाथों में ज्वार की फसल लेकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां अपने ट्रैक्टर खड़े करके धरने पर बैठ गए। किसानों ने कहा- जब तक डीएम नहीं आएंगे तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे। शाम करीब 5.30 बजे डीएम धरना स्थल पर पहुंचे। किसानों से ज्ञापन लिया और मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने धरना खत्म कर दिया। करीब 6 घंटे बाद भाकियू टिकैत द्वारा मेरठ कमिश्नरी और कलेक्ट्रेट पर चल रहा धरना खत्म हुआ। डीएम ने किसानों से बात की। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर उन्हें एक ज्ञपन सौंपा। डीएम के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया गया।

गेस्ट हाउस संचालकों ने की मीटिंग

संगठन बनाकर दिया एकता का मैसेज, आशु गौतम अध्यक्ष और राम गुप्ता बने महामंत्री

- बैठक में सर्व सहमति से गेस्ट हाउस संचालकों के नए संगठन का गठन किया गया।
- चैतन्य बिहार के पाराशर धाम में गेस्ट हाउस संचालकों ने मीटिंग की।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा-वृंदावन में गेस्ट हाउसों पर प्रशासन की कार्रवाई के बाद संचालकों ने एकजुट होकर नया संगठन बना लिया है। मंगलवार को हुई बैठक में तय किया गया कि संगठन के पदाधिकारी गेस्ट हाउस संचालकों की समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखेंगे और कार्रवाई को लेकर प्रशासन से बातचीत करेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से आशु गौतम को अध्यक्ष, रामु गुप्ता को महामंत्री और आकाश गोस्वामी को कोषाध्यक्ष चुना गया।

आकाश गोस्वामी बने कोषाध्यक्ष

वृंदावन के चैतन्य बिहार स्थित पाराशर धाम में गेस्ट हाउस संचालकों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता संगठन के संस्थापक अध्यक्ष आलोक बंसल ने की। बैठक में गेस्ट हाउस संचालकों की समस्याओं, उनके हितों की रक्षा और आपसी समन्वय को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 'वृंदावन गेस्ट हाउस संगठन' का गठन किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष आलोक बंसल के मार्गदर्शन में संगठन की कार्यकारिणी घोषित की गई। इसमें आशु गौतम को अध्यक्ष, रामु गुप्ता को महामंत्री और आकाश गोस्वामी को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष आशु गौतम ने कहा- संचालक करोड़ों रुपए खर्च करके गेस्ट हाउस बनाते हैं। निर्माण के समय किसी अधिकारी को मानकों की याद नहीं आती। लेकिन जब कहीं कोई घटना हो जाती है तो कार्रवाई के नाम पर संचालकों का शोषण किया जाता है। अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अध्यक्ष बोले- कार्रवाई के नाम पर शोषण नहीं होने देंगे

लेकिन जब कहीं कोई घटना हो जाती है तो कार्रवाई के नाम पर संचालकों का शोषण किया जाता है। अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में आशीष ठाकुर, कृष्णा शर्मा, सौरभ शर्मा, संदीप वर्मा, लक्ष्मीनारायण निषाद, राधारमण, कृष्णा राठौर, लकी गौतम, नितिन एडवोकेट, सचिन तोमर, पुनीत शर्मा, रितिक अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल और हिमांशु बंसल समेत बड़ी संख्या में होटल और गेस्ट हाउस संचालक मौजूद

किसान नेता की गिरफ्तारी के विरोध में निकाला कैंडिल मार्च

मथुरा में सरकार के खिलाफ लगाए नारे, रिहा करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार देर रात साढ़े 11 बजे मथुरा के बलदेव क्षेत्र में किसानों ने कैंडल मार्च निकाला। किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गिरफ्तारी का विरोध जताया और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रात करीब 11:30 बजे बलदेव के हनुमान तिराहे पर एकत्र हुए। यहां से हाथों में मोमबत्तियां लेकर शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए संपन्न हुआ। इस दौरान किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। आगरा

ये तस्वीर किसानों के कैंडिल मार्च निकालने के दौरान की है।

मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी की गिरफ्तारी से किसानों में नाराजगी है। उन्होंने बताया कि देर रात पुलिस ने जिले के कई पदाधिकारियों के आवासों पर निगरानी रखी और शांति व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद संगठन ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया। रामवीर सिंह तोमर ने कहा कि संगठन किसानों, युवाओं और आम जनता के अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने गुरनाम सिंह चढ़ूनी की तत्काल रिहाई की मांग की। साथ ही किसानों से जुड़े मुद्दों का समाधान बातचीत के माध्यम से करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। पुलिस प्रशासन भी पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थिति पर नजर बनाए रहा।

जौहर ट्रस्ट ने आन्जनेय की कोर्ट में की अपील

आजम की जौहर यूनिवर्सिटी की 38 बिल्डिंगों को गिराने वाले आर्डर पर रोक की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की 38 इमारतों को ध्वस्त करने के रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) के आदेश के खिलाफ मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट ने मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर एवं रामपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष आईएएस आन्जनेय सिंह की अदालत में अपील दायर की है। ट्रस्ट ने ध्वस्तीकरण आदेश को चुनौती देते हुए इसे निरस्त करने और राहत देने की मांग की है। मामले में कमिश्नर ने सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख निर्धारित की है। मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की चेयरमैन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी निखत अफलाक खान तथा मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. एस.एन. सलाम की ओर से अधिवक्ता जुनैद एजाज ने यह अपील दाखिल की है। चूंकि

मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आन्जनेय सिंह रामपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी हैं, इसलिए आरडीए के उपाध्यक्ष द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपीलीय प्राधिकारी के रूप में उनके समक्ष चुनौती दी जा सकती है। ट्रस्ट की ओर से दाखिल अपील में रामपुर विकास प्राधिकरण, उसके उपाध्यक्ष, रामपुर जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी, क्षेत्र पंचायत सैदपुर के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) एवं प्रशासक को पक्षकार बनाया गया है। ट्रस्ट का कहना है कि ध्वस्तीकरण आदेश तथ्यों और नियमों के अनुरूप नहीं है।

सींगनखेड़ी गांव को लेकर दिया गया अहम तर्क

अपील में कहा गया है कि जब मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी, उस समय सींगनखेड़ी गांव रामपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल नहीं था। उस समय यह क्षेत्र जिला पंचायत के अधिकार क्षेत्र में आता था। इसलिए विश्वविद्यालय निर्माण के लिए आरडीए से मानचित्र स्वीकृत कराने का प्रश्न ही नहीं उठता।

जिला पंचायत के नियमों का दिया हवाला

ट्रस्ट ने अपनी अपील में यह भी तर्क रखा है कि यदि उस समय जिला पंचायत से भवन मानचित्र की स्वीकृति आवश्यक भी मानी जाए और किसी कारणवश स्वीकृति नहीं ली गई हो, तब भी जिला पंचायत के नियमों के तहत 500 रुपये का अर्थदंड जमा कर मानचित्र को नियमित कराया जा सकता है। ऐसे में सीधे ध्वस्तीकरण का आदेश देना न्यायोचित नहीं माना जा सकता।

पृष्ठ 01 का शेष...

राम भक्तों और...

उधर, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सोनम वांगचुक को सफदरगंज से गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है। CJP ने संसद मार्च के दौरान बर्गर खाने वाले विजेता दाहिया को प्रवक्ता पद से हटा दिया है। दाहिया ने एक वीडियो जारी करके सफाई दी है कि आप मुझे ऐसे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जैसे कि प्रदर्शनकारी होना मेरा काम हो। आपने मुझे इस पद के लिए नहीं चुना है। सफदरजंग अस्पताल ने एक बयान में कहा कि डिस्चार्ज के समय उनके वाइटल पैरामीटर्स स्थिर थे। हालांकि, पैनसाइटो-पेनिया की समस्या बनी हुई है और उनका सीरम पोटैशियम लेवल 3.4 mEq/L था। यह अपने आप में कोई बीमारी नहीं, बल्कि किसी दूसरी बीमारी या समस्या का संकेत है। इसलिए इसका मूल कारण पता लगाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। CJP के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुई 23 साल की छात्रा राम मनोहर लोहिया (RML) अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। सूत्रों के अनुसार, माना जा रहा है कि आंसू गैस के गोले छोड़े जाने और प्रदर्शनकारियों के भागने के बाद मची भगदड़ जैसी स्थिति में महिला को सांस लेने में दिक्कत हो गई थी। सौरव दास ने X पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वे आशुतोष रांका और दीपक बालियां के साथ रात 8 बजे दिल्ली पुलिस हेडक्वॉर्टर के बाहर रात 8 बजे शांतिपूर्ण धरना देंगे। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने मंगलवार को अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को उनके पद से हटा दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एक वीडियो सामने आया जिसमें वे पार्टी के संसद' मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के बीच बर्गर खाते हुए दिख रहे थे। आलोचना का जवाब देते हुए, दहिया ने कहा कि लोगों ने यह नहीं देखा कि वे भी दो रातों से सोए नहीं थे, ठीक वैसे ही जैसे प्रदर्शन स्थल पर मौजूद लोग नहीं सोए थे। आलोचना का जवाब देते हुए, दहिया ने बर्गर खाते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया और विवाद को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "मैंने बर्गर क्यों खाया? आज यह एक बड़ा मुद्दा है। तो कोई बर्गर क्यों खाता है? उसे भूख लगी होती है। वह बर्गर खाना चाहता है। बस इतना ही। तो मुझे भी बहुत भूख लगी थी। और जब आप कुछ अच्छा खाते हैं, तो आपका मन अच्छा महसूस करता है। आप मुझे ऐसे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं जैसे कि प्रदर्शन-कारी होना मेरा काम हो। आपने मुझे इस पद के लिए नहीं चुना है।"

सारे चोर भाजपा ...

मैं आपका मुखौटा उतार दूंगी और 10 साल के कार्यकाल की पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। ममता ने एक बार फिर से विपक्षी एकता की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों को आपसी मतभेद भुलाकर भाजपा का मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं सभी से अपील करती हूं कि भाजपा से मुकाबले के लिए एक हो जाएं। पूर्व सीएम ने कहा कि मुझे तो कोई अहंकार नहीं है। यदि किसी को है तो उसे भी त्याग देना चाहिए और भाजपा से मुकाबले के लिए एक हो जाना चाहिए। उन्होंने असंतुष्टों से भाजपा के सहयोगी के रूप में काम करना बंद करने और इसके बजाय औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- अगर आप भाजपा का समर्थन करना चाहते हैं, तो भाजपा में जाइए। आप जितने ज्यादा लोग भाजपा छोड़ेंगे, मुझे उतनी ही खुशी होगी। मेरे छात्र और युवा कार्यकर्ता हर पद भरने के लिए मौजूद हैं। मैं गद्दारों को चुनौती देती हूं कि वे सीधे भाजपा में शामिल हों और चुनाव लड़ें। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि बागी, भाजपा की मदद से, पार्टी के जुड़वां फूल चिन्ह को छीनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे इसे छीन नहीं सकत, क्योंकि वह संस्थापक-अध्यक्ष हैं। बनर्जी ने यह भी घोषणा की कि वह जल्द ही पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों का दौरा शुरू करेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस दौरान दिल्ली में चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन पर भी बात की। उन्होंने कहा- आपने देखा कि कल दिल्ली में क्या हुआ, छात्रों के साथ क्या अत्याचार किए गए। मैंने संसद में सुना कि प्रधानमंत्री ने अपनी कार घुमाई और चले गए।

योगी कैबिनेट की ...

इसमें से 5628 करोड निर्माण के लिए एवं बाकी पैसा 1731 हैक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी। यह गाजीपुर, मिर्जापुर और चंदौली होकर बनेगा।

तीसरा प्रस्ताव पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डायवर्जन के लिए है। इसकी लंबाई 1.18 किमी होगी। क्योंकि ज्यादा मकान रास्ते में आ रहे थे। इसकी कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। महिला सशक्तिकरण के लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना से सभी कॉलेज की टॉप 5 छात्राओं को स्कूटी दी जाएगी। इसके लिए 400 करोड़ का बजट रखा गया है। करीब 50 हजार छात्राओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को नीचे तक फैलाने के लिए प्रत्येक विवि में शिक्षा के सभी स्तरों पर शामिल किया जाएगा। Nep 2020 के लिए शोध पीठ की स्थापना की जाएगी। दो करोड़ तक विवि और एक करोड़ तक महाविद्यालय में फंड दिया जाएगा। इसका फिक्स्ड डिपॉजिट किया जाएगा। ब्याज से पैसा खर्च किया जाएगा। सीएसआर और अन्य का सहयोग ले सकते हैं। 50 साल पुराने कॉलेज और पांच हजार छात्र क्षमता वाले कॉलेज पात्र होंगे। बसंत महिला विवि बनारस 12 साल से काम कर रहा है। यहां एक छात्रावास है। 220 की क्षमता है। 2.48 करोड़ से नए महिला छात्रावास का निर्माण होगा, 112 छात्राओं के लिए। अगर जरूरत हुई तो मैं खुद भी कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में जाऊंगी। ममता ने कहा कि मेरा उनको शुरुआत से ही समर्थन था और आगे भी बना रहेगा।

राम-मंदिर चढ़ावा चोरी ...

कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता को यूपी सरकार से SIT के लिए नाम लेकर आने को कहा। अदालत अब 27 जुलाई को अगली सुनवाई करेगी। जबकि सोमवार शाम सीएम योगी ने नई SIT बनाने की मंजूरी दे दी है। नई SIT में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और विशेष सचिव नीलरतन कुमार नहीं होंगे। उनकी जगह एक DIG और एक SSP स्तर के IPS अधिकारी को शामिल किया जाएगा। SIT पहले से दर्ज FIR पर मामले की जांच करेगी। 30 जुलाई तक SIT अपनी रिपोर्ट देगी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच में अब एक नया पहलू सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान कथित क्लोन चेक से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और कहा है कि सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने रविवार देर रात जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी। रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई है। इससे पहले 13 जुलाई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने SIT से स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। दरअसल, चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। इनमें जांच CBI को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट से सरकार का कोई लेना देना नहीं है। ट्रस्ट के पुनर्गठन का निर्णय ट्रस्ट के सदस्यों का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने मीडिया को बताया है कि पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का अध्ययन किया जाएगा। उसके बाद एसआईटी गठित की जाएगी। नई एसआईटी में दोनों आईएएस सदस्य बाहर हो जाएंगे। उनकी जगह एक डीआईजी और एक एसएसपी स्तर के आईपीएस अधिकारी को शामिल किया जाएगा। एसआईटी गठन का निर्णय जल्द कर लिया जाएगा। नई SIT 30 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट देगी।

कोलकाता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी के आदेश दिए, डिवाइस जब्त करने को कहा

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर रेप का आरोप

आरोप

- अब तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी
- क्रिकेटर ने आरोपों को झूठा बताया था

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता हाईकोर्ट ने रेप मामले में IPL क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पुलिस को अभिषेक के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का आदेश दिया है, ताकि कथित निजी फोटो और वीडियो शेयर ना किए जा सकें।

बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल पर एक महिला ने शादी का वादा कर संबंध बनाने और दोनों के निजी पलों की रिकॉर्डिंग करने के आरोप लगाए हैं। क्रिकेटर पर धमकियां देने के भी आरोप हैं। 23 साल के अभिषेक विकेटकीपर बैटर हैं। वे बंगाल के लिए 116 और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए 35 मैच खेल चुके हैं। दिल्ली ने उन्हें 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस पहले से आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अदालत ने पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। क्रिकेटर अभिषेक पोरेल इन आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है, तो आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। यह मामला मोगरा पुलिस स्टेशन में 23 जून 2026 को दर्ज किया गया था।

> अदालत ने कहा-जांच के दौरान एक पेन ड्राइव जब्त की गई है, जिसमें अहम डिजिटल सामग्री होने की आशंका है। ऐसे में आरोपी की गिरफ्तारी और उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती आवश्यक है, ताकि कथित आपत्तिजनक डेटा को आगे शेयर होने से रोका जा सके।

पीड़िता का आरोप- फ्लैट पर संबंध बनाए, अब धमकी दे रहा

शिकायत के अनुसार अभिषेक पोरेल की महिला से जनवरी 2023 में पहचान हुई थी। महिला का आरोप है कि पोरेल उसे मंकुंडू स्थित अपने फ्लैट में ले गया और शादी का भरोसा देकर संबंध बनाए। बाद में उसे पता चला कि आरोपी के अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध थे।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि अभिषेक ने उसे अवैध रूप से रोके रखा, खाना नहीं दिया और अलग-थलग रखा गया। दो अप्रैल 2026 को दिल्ली में हुई कथित घटना के बाद उसकी शारीरिक स्थिति बिगड़ गई थी और उसे तत्काल इलाज कराना पड़ा। महिला ने फोन और सोशल मीडिया के जरिए धमकी मिलने का भी आरोप लगाया है।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित की

कमिंस, हैजलवुड और नाथन लियोन की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त में होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हैजलवुड और अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की वापसी हुई है। तीनों चोट के कारण हालिया मैचों से बाहर थे।

कमिंस पीठ की चोट से उबरने के बाद एशेज में सिर्फ एक टेस्ट खेल पाए थे। हैजलवुड एड़ी और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पूरी सीरीज से दौरे से बाहर रहे थे। लियोन को एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी करानी पड़ी थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने X पोस्ट के जरिए टीम जारी की

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 13-17 अगस्त तक डार्विन और दूसरा 22-26 अगस्त तक मैके में खेला जाएगा। फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया आठ मैचों में सात जीत के साथ 87.50% अंक लेकर WTC तालिका में टॉप पर है।

सीनियर बॉलर्स की वापसी के साथ माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम से बाहर कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने कहा कि जरूरत पड़ने पर एक्स्ट्रा प्लेयर्स को टीम से जोड़ा जा सकता है।

ओपनर उस्मान ख्वाजा के रिटायर होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टॉप ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं किया। ट्रैविस हेड ओपनिंग करेंगे और जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है। खराब फॉर्म के बावजूद मार्नस लाबुशेन टीम में बरकरार हैं।

वर्ल्डकप फाइनल में प्लेयर्स की झड़प की जांच करेगा फीफा

दोषियों पर 3 मैच का प्रतिबंध संभव, स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ी भिड़े थे

नई दिल्ली, एजेंसी

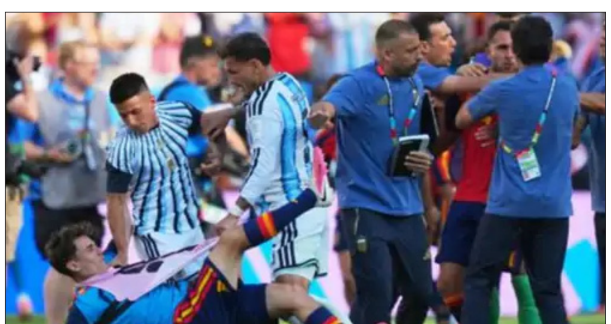

फीफा ने फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल के बाद खिलाड़ियों की झड़प की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिसिप्लिन कमेटी ने डिसिप्लिनरी एंड एथिक्स प्रॉसीक्यूटर नियुक्त किया है, जो संभावित नियम उल्लंघन की जांच करेगा।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। इसके बाद स्पेन के जश्न के दौरान अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और थियागो अल्माडा, स्पेन के मिडफील्डर गावी से भिड़ गए।

परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप है। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का चलाने की कोशिश का आरोप है।

इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ।

FIFA अनुशासन संहिता के अनुच्छेद-14 के तहत हिंसक आचरण साबित होने पर खिलाड़ियों को न्यूनतम तीन आधिकारिक मैचों के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसके अलावा जुर्माना और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) के खिलाफ कार्रवाई भी संभव है।

सिंधु ने कमबैक का क्रेडिट विराट को दिया

लिखा- वे मिले और कुछ समझाया, इससे नजरिया बदला, सिंधु ने 2 साल बाद टूर्नामेंट जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने अपनी दमदार वापसी का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दिया है। उन्होंने 2 दिन पहले शनिवार को जापान ओपन सुपर-750 का खिताब जीता। सिंधु ने करीब 2 साल बाद कोई खिताब जीता था। इससे पहले वे करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही थीं।

31 साल की पीवी सिंधु ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कमबैक में कोहली की भूमिका का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि करियर के सबसे मुश्किल दौर में उन्होंने विराट से सलाह ली थी और उनकी एक सीख ने पूरी सोच बदल दी। सिंधु ने लिखा- मैंने लगातार चोटों, खराब प्रदर्शन और मानसिक दबाव के बीच विराट कोहली से संपर्क किया। कोहली ने कुछ ही मिनटों में जवाब दिया और अगले दिन उनसे मुलाकात की। इस दौरान उनके पति वेंकट दत्ता साई भी मौजूद थे। सिंधु ने कहा- 'चोट के दौरान कई बार आत्मविश्वास डगमगाया, लेकिन मैंने खुद पर भरोसा नहीं खोया। जापान ओपन का यह खिताब केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि इस बात का सबूत है कि मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है।' सिंधु ने कहा कि उस मुलाकात में हुई बातचीत निजी रहेगी, लेकिन विराट की सबसे बड़ी सीख थी कि ट्रॉफी के पीछे भागने के बजाय खेल में दोबारा खुशी तलाशनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब वह सुबह 5:30 बजे अभ्यास के लिए ट्रॉफी जीतने नहीं, बल्कि खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से उठती हैं। इस मानसिक बदलाव के साथ सिंधु ने अपने खेल में कई सुधार किए। उन्होंने करीब 3.5 किलो वजन कम किया, नेट गेम को मजबूत बनाया, डेटा आधारित ट्रेनिंग अपनाई और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह व स्ट्रेंथ ट्रेनर वेन लोम्बार्ड के साथ फिटनेस पर विशेष काम किया।

> पेरिस ओलिंपिक के बाद डेटा एनालिटिक्स की मदद से सिंधु के खेल का विश्लेषण किया। सात ट्रैकिंग डिवाइस के जरिए फिटनेस, हार्ट रेट, नींद, रिकवरी और ट्रेनिंग लोड की लगातार निगरानी की गई। लगभग 3.5 किलो वजन कम कराया गया, जबकि मसल्स बरकरार रखी गईं।

कोच इरवांशाह; गेम के कई पहलुओं में सुधार किया

कोच इरवांशाह ने उनके नेट गेम, धैर्य और अटैकिंग पैटर्न पर काम किया। टीम ने अनफोर्स्ड एरर कम करने और लंबे समय तक उच्च स्तर पर खेलने की क्षमता विकसित करने पर फोकस किया। इन बदलाव का असर सिंधु के खेल में देखने को मिला। उन्होंने यामागुची को महज 50 मिनट में सीधे गेम में हरा दिया। उन्होंने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 चीनी खिलाड़ी चेन यूफेई को हराया।

मनोरंजन

बाथटब में दिखा तारा सुतारिया और यशका रोमांस

बाथटब में दिखा तारा सुतारिया और यशका रोमांस, आग लगाने के तैयार टॉक्सिक का नया गाना

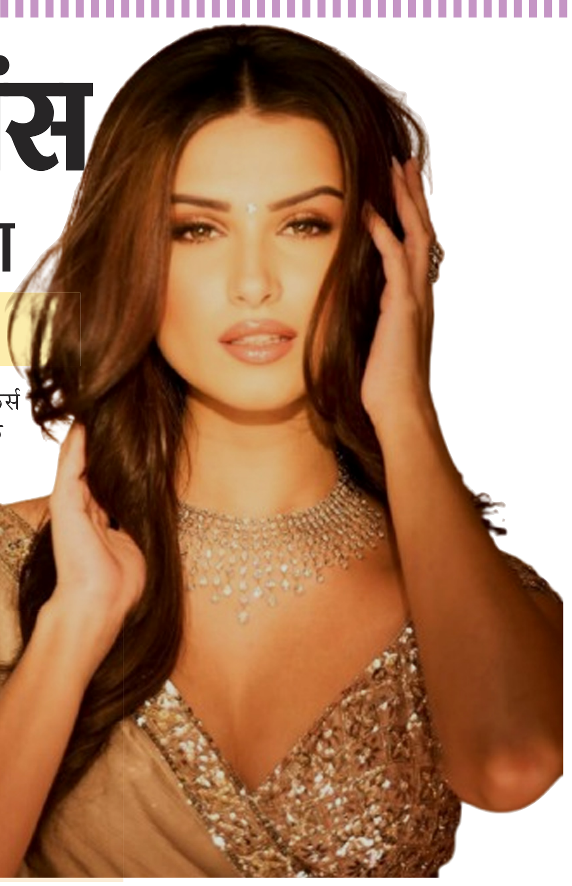

नई दिल्ली। अभिनेता यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक (Toxic) को लेकर लंबे समय से चर्चाओं का बाजार गर्म है। निर्देशक गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनने वाली इस मूवी को लेकर आए दिन कोई न कोई नया अपडेट सामने आ रहा है। अब मेकर्स की तरफ से टॉक्सिक का नया गाना मदहोश (Madhosh) रिलीज कर दिया गया है। जिसमें यश और बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया (Tara Sutaria) के बीच रोमांस देखने को मिला। खास बात ये है कि ये रोमांस बाथटब में हो रहा है। जैसे ही मेकर्स ने टॉक्सिक की नई रिलीज डेट का एलान किया गया है, ठीक उसके बाद से अक्सर कुछ न कुछ लेटेस्ट अपेडेट्स जैसे- टीजर या गाना रिलीज किया जा रहा है। पहले टॉक्सिक का फर्स्ट सॉन्ग तबाही रिलीज किया गया था, जिसमें यश (Yash) अभिनेत्री कियारा आडवाणी संग रोमांटिक होते दिखे थे और अब टॉक्सिक का दूसरा गाना मदहोश रिलीज कर दिया गया है। जिसकी जानकारी मेकर्स ने सोमवार को दे दी थी। मंगलवार को टॉक्सिक फिल्म के ऑफिशियल एक्स हैंडल फिल्म मदहोश सॉन्ग को रिलीज किए जाने की जानकारी दी गई है।

कब रिलीज होगी टॉक्सिक

कई रिलीज डेट बदलने के बाद कुछ दिन पहले टॉक्सिक के मेकर्स द्वारा मूवी की नई रिलीज डेट का एलान किया गया है। जिसके आधार पर 28 अगस्त 2026 को ये गैंगस्टर ड्रामा मूवी दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। बता दें कि केजीएफ चैप्टर 2 की रिलीज के 4 साल बाद यश टॉक्सिक के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे।

> गाने में सबसे अधिक ध्यान यश और तारा की रोमांटिक केमिस्ट्री ने खींचा है। इसके अलावा इस गीत में अभिनेत्री तारा सुतारिया और कियारा आडवाणी की भी झलक देखने को मिलेगी।

इमरान हाशमी वाले मौसम में आ गया अरिजीत सिंह का दर्द भरा गाना

नई दिल्ली। फिल्म आवारापन 2 (Awarapan 2) को लेकर इस वक्त सिनेप्रेमियों में जबरदस्त हाइप देखने को मिल रहा है। अभिनेता इमरान हाशमी की इस मूवी का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को लेकर मेकर्स काफी तैयारियां कर रहे हैं और इस आधार पर अब आवारापन 2 का एक और नया गाना रिलीज कर दिया गया है। जिसे गायक अरिजीत सिंह ने गाया है। सैड सॉन्ग के आधार पर अरिजीत का ये गीत यकीनन तौर पर आशिकों का एंथम बनने के लिए बनने के लिए तैयार है। आइए एक नजर आवारापन 2 के इस नए गाने पर डालते हैं-

सोवामर को मेकर्स की तरफ से ये आधिकारिक एलान किया गया था कि 21 जुलाई सुबह 11 बजकर 11 मिनट पर आवारापन 2 का दूसरा गाना ये आवारापन... (Yeh Awarapan) रिलीज किया गया है। ये सॉन्ग इमरान हाशमी स्टारर फिल्म आवारापन 2 का टाइटल ट्रैक है, जिसे मशहूर गायक अरिजीत सिंह (Arijit Singh) ने गाया है।

इस गाने को सुनने के बाद ये महसूस होगा कि 2007 वाली आवारापन की तरह इसके सीक्वल में भी शानदार गीतों की कमी नहीं रहेगी। कमाल की बात ये है कि इस साल की शुरुआत में गायिकी से संन्यास लेने वाले अरिजीत सिंह ने आवारापन 2 के लिए एक बार फिर से प्लेबैक सिंगिंग की दुनिया में एक तरह से वापसी कर दी है। अब उनका ये लेटेस्ट सॉन्ग यकीनन तौर पर शोबिज की दुनिया में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अरिजीत सिंह की गायिकी के अलावा आवारापन 2 के ये आवारापन गाने को संगीतकार अमाल मलिक ने अपनी धुनों से तैयार किया है, जबकि गीतकार रश्मि विराग ने इसके खूबसूरत लिरिक्स लिखे हैं। माना जा रहा है कि अब इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) का ये दर्द भरा गीत सोशल मीडिया भी जमकर ट्रेंड होगा।

जॉन अब्राहम ने खरीदा नया बंगला इतने करोड़ की लगी स्टाम्प ड्यूटी

84 करोड़ में जॉन अब्राहम ने खरीदा नया घर

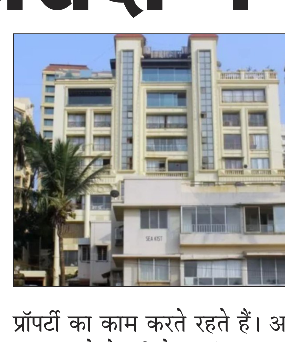

नई दिल्ली। बॉलीवुड के फेमस एक्टर जॉन अब्राहम का नाम इस वक्त किसी नई फिल्म को लेकर नहीं बल्कि रियल स्टेट के मामले को लेकर चर्चा में बना हुआ है। खबर है कि जॉन ने मुंबई के एक रिहाइशी इलाके में 84 करोड़ रुपये खर्च करके आलीशान बंगला खरीदा है।

इस नई प्रोपर्टी को लेकर जॉन अब्राहम सिनेमाई गलियारे में छाए हुए हैं। आइए जानते हैं कि जॉन अब्राहम का ये नया आशीयाना कहां मौजूद है और उनके इस घर की बाकी डिटेल्स क्या है।

जॉन अब्राहम ने खरीदा नया घर

सिनेमा जगत के सितारों द्वारा नया घर खरीदना और रियल स्टेट में इंवेस्ट करने का मामला नया है। अक्सर खबरें आती रहती हैं कि सेलेब्स घर खरीदने, बेचने या लीज प्रॉपर्टी का काम करते रहते हैं। अब इस मामले में अभिनेता जॉन अब्राहम का नाम शामिल हो रहा है, जो 84 करोड़ की मोटी कीमत में खरीदे गए नए बंगले को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी ये प्रॉपर्टी 1,017.60 वर्ग मीटर के प्लॉट पर बनी है। इसमें लगभग 193.12 वर्ग मीटर के बिल्ट-अप एरिया वाला एक बंगला और लगभग 31.50 वर्ग मीटर का एक आउटहाउस शामिल है।

> दरअसल लियासेस फोर्स को हाल ही में जॉन अब्राहम द्वारा खरीदी गई नई संपत्ति के प्रॉपर्टी-रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स की जानकारी मिली है। जिसके आधार पर पठान फिल्म एक्टर जॉन ने मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा वेस्ट में सेंट मार्टिन रोड पर पर नया घर खरीदा है, जो मुंबई के सबसे पॉश रिहायशी इलाकों में से एक माना जाता है।

अमेरिका ने माना सुरक्षा को देखते हुए देर से जानकारी दी, अमेरिका का 9 ईरानी शहरों पर हमला

'ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल'

दावा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कनकशन) लगी थी।

पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा

है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया।

उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए।

ईरान की लेबर न्यूज एजेंसी के मुताबिक अबदानान, बंदर अब्बास, बंदर लेंगेह, बुशेहर, चाबहार, केश्म द्वीप, सीरिक, शीराज और कोनारक को निशाना बनाया गया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान और बांग्लादेश को कई वर्षों में सबसे महंगी LNG खरीदनी पड़ी है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सरकारी कंपनी पाकिस्तान LNG ने सोमवार को जुलाई के आखिर में एक LNG खेप करीब 21.88 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (MMBtu) की कीमत पर खरीदी। ट्रेडर्स के मुताबिक, यह 2022 के बाद सबसे ऊंची कीमत है। वहीं, बांग्लादेश की सरकारी गैस खरीद एजेंसी ने पिछले सप्ताह अगस्त में डिलीवरी के लिए कम से कम एक LNG खेप ऊंची कीमत पर खरीदी।

ईरान में पेट्रोल महंगा करने पर विचार

ईरान की संसद के सदस्य मोहम्मद बहशी गाजी ने कहा है कि सरकार पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। उनके मुताबिक, सरकार का मानना है कि मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था लंबे समय तक नहीं चल सकती, क्योंकि जंग की वजह से सरकारी आय पर बहुत ज्यादा दबाव बढ़ गया है।

गाजी ने कहा कि ईंधन की कीमतों पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है और इस मुद्दे पर संसद तथा सरकार के बीच बातचीत जारी है। ईरान में पेट्रोल की कीमतें भारतीय रुपए के हिसाब से 1 रुपए प्रति लीटर के करीब है। यह दुनिया के सबसे सस्ता है, क्योंकि सरकार उस पर भारी सब्सिडी देती है।

हालांकि, ईरान में पेट्रोल की कीमत बढ़ाना राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील मुद्दा माना जाता है। 2019 में पेट्रोल की कीमत बढ़ाए जाने के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और हिंसा हुई थी, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई थी। इसी वजह से मौजूदा सरकार भी इस मुद्दे पर सावधानी बरत रही है।

इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने कहा है कि फिलहाल इजराइल की ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में सीधे शामिल होने की कोई इच्छा नहीं है।

मध्य इजराइल के याद बिन्यामिन में आयोजित एक सम्मेलन में स्मोट्रिच ने कहा, "इस समय इजराइल की इस अभियान में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं है।"

इजराइली मीडिया के मुताबिक, उन्होंने कहा, "मौजूदा स्थिति हमारे लिए अच्छी है और हमें खुद इसमें शामिल होने की कोई जरूरत नहीं दिखती। हालांकि, हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।"

ईरान युद्ध के बीच पाकिस्तान और बांग्लादेश को एलएनजी महंगी पड़ी

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान और बांग्लादेश को कई वर्षों में सबसे महंगी LNG खरीदनी पड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सरकारी कंपनी पाकिस्तान LNG ने सोमवार को जुलाई के आखिर में एक LNG खेप करीब 21.88 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (MMBtu) की कीमत पर खरीदी। ट्रेडर्स के मुताबिक, यह 2022 के बाद सबसे ऊंची कीमत है।

वहीं, बांग्लादेश की सरकारी गैस खरीद एजेंसी ने पिछले सप्ताह अगस्त में डिलीवरी के लिए कम से कम एक LNG खेप ऊंची कीमत पर खरीदी।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, एलएनजी की बढ़ती कीमतों से दोनों देशों के सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ रहा है। इसके चलते पाकिस्तान और बांग्लादेश अब अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए LNG पर निर्भरता कम करने के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

कतर से गिफ्ट में मिले ट्रंप के एयर फोर्स वन विमान की थमी उड़ान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि कतर द्वारा गिफ्ट किया गया बोइंग लग्जरी जेट को जल्द ही मैक्स आउट यानी पूरी तरह से अपग्रेड किया जाएगा। ट्रंप के इस बयान से यह संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति की यात्रा के लिए इस्तेमाल होने वाले पुराने विमानों के मानकों की बराबरी करने के लिए, इस नए विमान में अतिरिक्त रक्षा क्षमताएं जोड़ी जा सकती हैं।

सिंगापुर में 1.5 करोड़ के असली हीरे से बदलकर मुंह में छिपाया

सिंगापुर। सिंगापुर के चाइनाटाउन में एक स्टोर से लगभग 1.5 करोड़ रुपये की कीमत का हीरा चुराने की योजना बनाकर वहां गए दो भारतीय नागरिकों में से पहले व्यक्ति को जेल की सजा सुनाई गई है और दूसरे व्यक्ति की सुनवाई शुक्रवार को तय की गई है। 41 साल के मंगरोलिया मनोजकुमार कुर्जीभाई को शुक्रवार (17 जुलाई) को चोरी के एक मामले में अपना अपराध स्वीकार करने के बाद दो साल, दो महीने और दो हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई। उसके कथित साथी 30 वर्षीय सेरासिया मिलान रामनिकभाई के खिलाफ मामले की सुनवाई शुक्रवार को होनी है।

मिडिल ईस्ट में महासंकट

तेहरान। मिडिल ईस्ट में भीषण युद्ध शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर हमला किया है तो ईरान ने भी जबरदस्त पलटवार किया है। ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइलें दागीं। वहीं, राष्ट्रपति पेजेशकियन का घोषणा की है कि तेहरान की अमेरिका के साथ जंग शुरू हो चुकी है। ईरानी सेना ने मंगलवार तड़के कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को मिसाइलों से निशाना बनाया।

शेयर बाजार के निवेशकों को एलटीसीजी टैक्स पर राहत नहीं

सरकार बोली- इसे हटाने का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने आज यानी 20 जुलाई को साफ कर दिया है कि घरेलू और रिटेल निवेशकों के लिए इक्विटी ट्रांजैक्शन पर लगने वाले लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स (LTCG) टैक्स को खत्म करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

इस स्पष्टीकरण के साथ ही पिछले कुछ महीनों से बाजार के जानकारों और निवेशकों के बीच चल रही उस अटकलबाज़ी पर विराम लग गया है, जिसमें टैक्स हटाने की मांग की जा रही थी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोक सभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में यह स्पष्टीकरण दिया।

सदन में उनसे पूछा गया था कि सरकार रिटेल और डोमेस्टिक निवेशकों के लिए LTCG टैक्स को कब तक खत्म करेगी, ताकि मार्केट सेंटीमेंट को सुधारा जा सके, घरेलू निवेशकों के हितों की रक्षा हो

सके और विदेशी व भारतीय निवेशकों के बीच एक समान अवसर सुनिश्चित किया जा सके। इस पर वित्त राज्य मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि फिलहाल ऐसा कोई भी प्रस्ताव नहीं है। वित्त राज्य मंत्री ने अपने जवाब में यह भी बताया कि कैपिटल गेन्स टैक्स रेट सहित सभी टैक्स नीतियों की बजट प्रक्रिया के दौरान समय-समय पर समीक्षा की जाती है। सरकार अर्थव्यवस्था की पूरी स्थिति को देखकर ही टैक्स दरों में बदलाव का फैसला करती है।

इक्विटी ट्रांजैक्शन पर LTCG टैक्स से सरकार की कमाई में बढ़ोतरी हुई है।

यूक्रेन में शिप पर हमला, 4 भारतीयों की मौत

भारत ने कहा- कारोबारी जहाजों को निशाना बनाना गलत, यूक्रेन बोला- रूसी मिसाइलों से हमला हुआ

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हुए कार्गो जहाज 'MV गोल्डन लियो' पर रविवार को हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस बीच भारत सरकार ने रूस के राजदूत को तलब किया है। समाचार एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। इससे पहले भारत सरकार ने सोमवार को हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा कि कारोबारी जहाजों और बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाना पूरी तरह गलत है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय दूतावास लगातार यूक्रेनी अधिकारियों के संपर्क में है और प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है। उधर, यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक गोल्डन लियो जहाज ओडेसा से

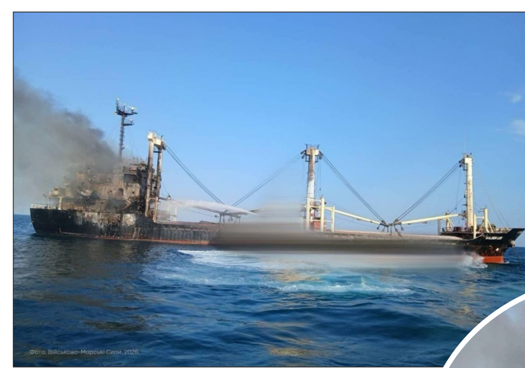

मक्का लेकर रवाना हुआ था। पोर्ट से निकलने के कुछ देर बाद उस पर तीन रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया।

वहीं, यूक्रेन के समुद्री बंदरगाह प्राधिकरण के मुताबिक घटना के बाद पूरी रात सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हमले में नौ क्रू मेंबर और एक समुद्री पायलट की मौत हुई, जबकि 17 में से आठ क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया।

जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 5 भारतीय

विदेश मंत्रालय (MEA) के मुताबिक, 19 जुलाई की शाम अफ्रीकी देश गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर हमला हुआ। उस समय जहाज पर कुल 17 क्रू मेंबर थे, जिनमें पांच भारतीय शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने मारे गए भारतीयों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायल भारतीय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा,भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है। कारोबारी जहाजों और निर्दोष नागरिक क्रू को निशाना बनाना या समुद्री व्यापार और नेविगेशन की आजादी में बाधा डालना निंदनीय है और इससे बचा जाना चाहिए।

ब्लैक सी में बढ़ता तनाव, कारोबार पर असर

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है। यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया।

इसमें भारत के इलाकों को अपना दिखाया, नई डिजाइन का प्रस्ताव लौटाया

नेपाल में एक रुपए के सिक्के से विवादित-नक्शा नहीं हटेगा

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल सरकार ने एक रुपए के सिक्के से विवादित राष्ट्रीय नक्शा हटाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस नक्शे में भारत के लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (NRB) ने पहले प्रस्ताव रखा था कि एक रुपए के सिक्के पर छपे नेपाल के विवादित नक्शे की जगह मुस्तांग के ऐतिहासिक मठ की तस्वीर लगाई जाए। इस नक्शे को सिक्के से हटाने की खबर जैसे ही बाहर आई, इसका विरोध होने लगा।

इसके बाद मंत्रालय ने नेपाल राष्ट्र बैंक को निर्देश दिया कि डिजाइन में बौद्ध मठ के साथ नेपाल का राष्ट्रीय नक्शा भी शामिल किया जाए। इसके

बाद संशोधित प्रस्ताव दोबारा मंजूरी के लिए भेजा जाए। नेपाल राष्ट्र बैंक के एक अधिकारी ने कहा,नेपाल के कई नोटों और सिक्कों पर पहले से ही पशुपतिनाथ मंदिर और जानकी मंदिर जैसे हिंदू धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की तस्वीरें हैं। यह महसूस किया गया कि बौद्ध विरासत को पर्याप्त जगह नहीं मिली है। इसलिए घर मठ को चुना गया क्योंकि इसका ऐतिहासिक महत्व बहुत बड़ा है। साथ ही इससे मुस्तांग में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। लो घेकर मठ नेपाल के अपर मुस्तांग में स्थित है। माना जाता है कि इसकी स्थापना आठवीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभव (गुरु रिनपोछे) ने की थी। इतिहासकार इसे नेपाल के सबसे पुराने बौद्ध मठों में से एक ही नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में भी गिनते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रस्ताव मौजूदा सरकार बनने से पहले तैयार होना शुरु हो गया था। इसका मकसद नेपाल की मुद्रा पर देश की अलग-अलग सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को जगह देना था।

1 रुपए को बनाने में 2 रुपए से ज्यादा खर्च

नेपाल राष्ट्र बैंक कैबिनेट के निर्देश के मुताबिक नया डिजाइन तैयार करेगा, जिसमें राष्ट्रीय नक्शा और लो घेकर मठ दोनों होंगे। सरकार की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद ही नए सिक्के की ढलाई शुरू होगी। नेपाल राष्ट्र बैंक एक रुपए के सिक्के की धातु और वजन बदलने की तैयारी भी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस समय एक रुपए का एक सिक्का बनाने में दो रुपए से भी ज्यादा खर्च आता है। इसलिए इसका उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन गया है। नए डिजाइन में सिक्के का वजन भी कम किया जाएगा, जिससे निर्माण लागत घटेगी।

पाकिस्तान में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता, डीजल 5.71 रुपया महंगा

पेट्रोल 315.80 और डीजल 360.06 रुपया लीटर मिल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी सरकार ने पेट्रोल के दाम में 35 पैसे प्रति लीटर की कटौती की है, जबकि हाई-स्पीड डीजल (HSD) की कीमत 5.71 रुपया लीटर बढ़ा दी है। नई दरें 21 जुलाई से लागू हो गई हैं।

दामों में इस बदलाव के बाद अब बाजार में पेट्रोल की नई कीमत 315.80 रुपया लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 360.06 रुपया प्रति लीटर हो गई है।

ईंधन की मौजूदा कीमतें इस साल अप्रैल में बने अपने ऑल-टाइम हाई से अब भी काफी नीचे हैं:

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में आ रहे तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक

ने घोषणा की है कि अब देश में फ्यूल रेट्स हफ्ते के बजाय रोजाना आधार पर तय किए जाएंगे। सरकार के रोजाना रेट तय करने के फैसले का ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन ने इस व्यवस्था को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ इसी हफ्ते विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं।

पेट्रोल की कीमतों में बदलाव का सीधा असर देश के मिडिल और लोअर-मिडिल क्लास पर पड़ता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से प्राइवेट गाड़ियों, छोटी कारों, ऑटो रिक्शा और टू-व्हीलर्स में होता है। वहीं, डीजल महंगा होने से पूरे देश में महंगाई बढ़ने का खतरा है, क्योंकि इसका इस्तेमाल भारी कमर्शियल वाहनों (ट्रकों-बसों), पावर प्लांट्स और बड़े जनरेटरों में होता है।

पाकिस्तान में हर महीने करीब 7 से 8 लाख टन पेट्रोल और डीजल की भारी-भरकम बिक्री होती है, जबकि केरोसिन (मिट्टी के तेल) की मासिक मांग सिर्फ 10 हजार टन ही है। यही वजह है कि पेट्रोल-डीजल सरकार के लिए रेवेन्यू जुटाने का सबसे बड़ा जरिया बने हुए हैं।

उतार-चढ़ाव : बोनस शेयर का प्लान टला पहली तिमाही में मुनाफा 79% बढ़कर 220 करोड़ रहा

पेटीएम का शेयर दिन के ऊपरी स्तर से 5% फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को उतार-चढ़ाव है। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5% से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह दिन के ऊपरी स्तर से 5% तक टूट गया।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79% बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है।

लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस 2,150 से नीचे है। कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

जून तिमाही में रेवेन्यू 2,448 करोड़ रहा

30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28% बढ़कर 2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79% बढ़कर 220 करोड़ रहा है। कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को 123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में 183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी 'पेटीएम मनी' में राइट्स इश्यू के जरिए 100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

संसद में सरकार बोली ई20 पेट्रोल से इंजन खराब नहीं

23 करोड़ गाड़ियां बिना परेशानी चल रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में 20% एथेनॉल मिला पेट्रोल यानी E20 फ्यूल से गाड़ियों के इंजन खराब होने या उनके अचानक बंद होने की कोई पुख्ता रिपोर्ट नहीं है। सरकार ने आज यानी 20 जुलाई को राज्यसभा यानी संसद में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देशभर में चल रहे 23 करोड़ से ज्यादा गाड़ियों के चलाने के अनुभवों और कई वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि E20 फ्यूल से इंजन को नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

राज्यसभा में मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि देश में 20 करोड़ से ज्यादा टू-व्हीलर्स और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें वर्तमान में एथेनॉल

मिश्रित ईंधन यानी पर चल रही हैं। इनमें एक बड़ी संख्या उन पुराने वाहनों की भी है, जिन्हें E20 सर्टिफिकेशन मिलने से पहले मैन्युफैक्चर किया गया था।

इन सभी गाड़ियों के डेटा और सर्विस रिकॉर्ड देखने के बाद भी इथेनॉल ब्लेंडिंग के कारण इंजन फेल होने या किसी बड़े व्हीकल ब्रेकडाउन की कोई पुख्ता पुष्टि नहीं हुई है। सरकार ने सदन में बताया कि देश को E20 फ्यूल की तरफ ले जाने का फैसला अचानक नहीं हुआ है। यह पूरी तरह से चरणबद्ध और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676